

Hansika Motwani  
Early Fame...

SARAFI	
सोना	: 6,615
चांदी	: 88.00
(नोट : सोना 22 केरट प्रति ग्राम)	

## BRIEF NEWS

## मणिपुर : बम धमाके में पूर्व विधायक की पत्नी की मौत

**IMPHAL :** मणिपुर के कागपोकपी जिले में एक बम धमाके में एक पूर्व विधायक की पत्नी की मौत हो गई। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि सैकुल के पूर्व विधायक यमशोंग हाओकिप के घर के पास स्थित एक मकान में शनिवार शाम को बम धमाका हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, धमाके में हाओकिप की दूसरी पत्नी सपम चारुबाला घायल हो गई। उन्होंने बताया कि चारुबाला को सैकुल के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। अधिकारियों के अनुसार, धमाके के समय हाओकिप भी घर में मौजूद थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। उन्होंने बताया कि पुलिस धमाके की जांच कर रही है।

## नौकरशाही में उलटफेर विप्रा बनीं राज्यपाल की प्रधान सचिव

**RANCHI :** झारखंड सरकार ने विधानसभा चुनाव से पूर्व बड़े पैमाने पर भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 25 अधिकारियों का तबादला किया गया है। राज्यपाल के प्रधान सचिव नितिन मदन कुलकर्णी को स्थानांतरित करते हुए अमल आदेश तक प्रधान सचिव कृषि पशुपालन सहकारिता विभाग रांची के पद पर पद स्थापित किया गया है। प्रधान सचिव योजना एवं विकास विभाग मस्तनार मीणा को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव पेयजल एवं स्वच्छता विभाग रांची का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। प्रधान सचिव पथ निर्माण विभाग सुनील कुमार को अगले आदेश तक अपने कार्यों के साथ प्रधान सचिव नगर विकास एवं आवास विभाग रांची, प्रबंध निदेशक जुड़को तथा प्रबंध निदेशक रांची ग्रेटर विकास एजेंसी का भी अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। खाद आपूर्ति सचिव अमितोष कोशाल को स्थानांतरित करते हुए आईटी सचिव रांची के पद पर नियुक्त एवं पद स्थापित किया गया है। डॉक्टर कोशल अमल आदेश तक अपने कार्यों के साथ सचिव वाणिज्य कर विभाग झारखंड के भी अतिरिक्त प्रभार में रहेंगे। भवन निर्माण सचिव मनीष रंजन को अगले आदेश तक निदेशक प्रशासन संस्थान रांची के पद पर नियुक्त किया गया है।

## पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का निधन

**NEW DELHI :** लंबे समय से बीमार पूर्व विदेश मंत्री के नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। एक पारिवारिक सूत्र ने बताया कि नटवर सिंह ने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे। सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। वह 2004-05 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील आंदोलन (संप्र) सरकार में विदेश मंत्री रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन पर शोक जताया और कूटनीति व विदेश नीति में उनके योगदान की सराहना की।

अंतिम सांस ली, जहां वह पिछले कुछ हफ्तों से भर्ती थे। सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। पिछले कुछ समय से उनकी तबीयत ठीक नहीं थी। वह 2004-05 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील आंदोलन (संप्र) सरकार में विदेश मंत्री रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के निधन पर शोक जताया और कूटनीति व विदेश नीति में उनके योगदान की सराहना की।

## भारत में घुसपैट करते धराए 11 बांग्लादेशी नागरिक : बीएसएफ

**NEW DELHI (BHASHA) :** कक्षा बांगला, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैट करने का प्रयास करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी। एक प्रवक्ता ने कहा कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों, विशेषकर भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की शिकायतों के लिए अनिर्णय समकर्म में है। बीएसएफ के कोलकाता मुख्यालय वाले दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में

## हिंडनबर्ग पर फिर 'हो-हंगामा'

**NEW DELHI :** अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से किए गए नए दावे को लेकर एक बार फिर देश की राजनीति में 'हो-हंगामा' मच गया है। 10 अगस्त को जारी नवीनतम हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट में आरोप लगाया गया कि सेबी की वर्तमान प्रमुख माधवी बुच और उनके पति के पास अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए दोनों अस्पष्ट ऑफशोर फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि 18 महीने पहले अदाणी समूह पर अपनी रिपोर्ट जारी की थी, लेकिन सेबी ने समूह पर कार्रवाई नहीं की। इस मामले में सेबी प्रमुख ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए एक तरफ जहां आरोपों को चरित्र हनन का प्रयास बताया है वहीं दूसरी तरफ देश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी एक दूसरे पर हमलावर हो गई हैं। भाजपा ने जहां रिपोर्ट जारी होने की अवधि पर सवाल उठाए हैं वहीं कांग्रेस ने इस मामले में उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

## सेबी प्रमुख ने हिंडनबर्ग के लगाए आरोपों को आधारहीन व चरित्र हनन बताया

**NEW DELHI (BHASHA) :**

अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदिग्ध बताया है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी कोष में हिस्सेदारी हो सकती है। हालांकि सेबी प्रमुख ने इस आरोप को 'आधारहीन' और 'चरित्र हनन' का प्रयास बताया है। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की प्रमुख बुच और उनके पति धवल बुच के पास उस विदेशी कोष में हिस्सेदारी है, जिसका इस्तेमाल अदाणी समूह में धन की कथित हेराफेरी के लिए किया गया था। हिंडनबर्ग के मुताबिक, बुच और उनके पति ने बरमुडा और मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अचोषित निवेश किया था। उसने कहा कि ये वही कोष हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अदाणी ने पैसों की हेराफेरी करने और समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया गया था। विनोद अदाणी, अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के बड़े बुच ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस



सेबी की चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच

● सोत : इंटरनेट मीडिया

कीमतें बढ़ाने के लिए विदेशी कोष के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए थे। हालांकि अदाणी समूह ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वह नियामकीय प्रावधानों का पालन करता है। सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरि से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है। बुच दंपति ने कहा, 'रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है। हमारा जीवन और वित्तीय स्थिति एक खुली किताब की तरह है। सभी जरूरी खुलासे पहले ही वर्षों से सेबी को दिये जा चुके हैं। हमें किसी भी वित्तीय दस्तावेज का खुलासा करने में कोई हिचकिचाहट नहीं है।' बुच ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हिंडनबर्ग रिसर्च के खिलाफ सेबी ने प्रवर्तन कार्रवाई की है और कारण बताओ नोटिस

जारी किया है, उसी के जवाब में हमें ही घेरने और चरित्र हनन करने का प्रयास किया गया है।' हालांकि बुच दंपति ने अदाणी समूह के खिलाफ सेबी की जांच को लेकर हिंडनबर्ग की तरफ से लगाए गए आरोपों पर कुछ नहीं कहा है। लेकिन उन्होंने कहा कि नियत समय में एक विस्तृत बयान जारी किया जाएगा। हिंडनबर्ग ने शनिवार रात को एक ब्लॉगपोस्ट में कहा कि माधवी और उनके पति ने ऑफशोर इकाइयों में निवेश किया जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) द्वारा प्रबंधित फंड का हिस्सा थे और उसमें विनोद अदाणी ने भी निवेश किया था। हिंडनबर्ग के मुताबिक, कथित तौर पर ये निवेश 2015 में किए गए थे। वर्ष 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी पुरी बुच की नियुक्ति और मार्च 2022 में इसका चेयरपर्सन बनने से काफी पहले ये निवेश किए गए थे।

## अनंतनाग मुठभेड़

## एक नागरिक की इलाज के दौरान मौत, मृतकों की संख्या तीन हुई

**SRINAGAR :** जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ में घायल दो नागरिकों में से एक की रविवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे अनंतनाग मुठभेड़ में मारे गए नागरिकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को आतंकवादियों की गोलीबारी में घायल हुए अब्दुल राशिद डार की रविवार तड़के यहां एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शनिवार को 10,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित अनंतनाग जिले के अहलान गगरमांडू वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी शहीद हुए और दो नागरिक घायल हो गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, चुनौतीपूर्ण भौगोलिक स्थिति के बावजूद आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान जारी रहा। शनिवार को कोकरनाग क्षेत्र के सुदूरवर्ती अहलान गगरमांडू जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया गया था।

## भाजपा का विपक्ष पर पलटवार पूछा-विदेशी संस्थानों से यह कौन सा याराना

**NEW DELHI :**

हिंडनबर्ग की नई रिपोर्ट आने के बाद सियासी गलियारे में हलचल तेज हो गई है। पक्ष-विपक्ष आमने सामने आ गया है। भाजपा ने विपक्ष पर पलटवार किया है। उसका कहना है कि कांग्रेस ने पिछले 10 वर्षों में झूठ की राजनीति की रणनीति अपनाई है। साथ ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विदेशी संस्थाओं के बीच के याराना के बारे में भी सवाल खड़ा किया। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा, 'पिछले कुछ सालों से जब भी संसद सत्र शुरू होता है, तब विदेश में कोई न कोई रिपोर्ट जारी हो जाती है। पीएम मोदी पर डॉक्यूमेंट्री संसद सत्र से ठीक पहले जारी की गई थी। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट संसद सत्र से ठीक पहले जनवरी में आई थी। ये सभी घटनाक्रम संसद सत्र के दौरान होते हैं। विपक्ष के विदेशों के साथ ऐसे तार जुड़े हैं जो भारत के हर संसद सत्र के दौरान अस्थिरता और अराजकता पैदा करते हैं।' उन्होंने कहा, 'वे भ्रम के माध्यम से भारत में आर्थिक अराजकता पैदा करना चाहते हैं। अब वे सेबी पर हमला कर रहे हैं। कांग्रेस पिछले 30-40 सालों से विदेशी कंपनियों के साथ क्यों खड़ी है? वह यूनिवर्स कार्बाइड के साथ क्यों खड़ी हुई? मैं पूछना चाहता हूं कि विदेश की संस्थानों से यह कौन सा याराना है कि भारत की आर्थिक संस्था के हर विषय के ऊपर आपका निशाना है।' भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, 'ये कुछ अटकलें और अनुमान हैं, जिन्हें सच्चाई के कुछ अंशों के साथ जोड़ा जा रहा है। इसके पीछे एक निश्चित योजना है। भारत की वित्तीय प्रणाली आज दुनिया में सबसे मजबूत है। भारतीय बैंक मजबूत हैं। पीएम मोदी ने पिछले 10 साल में भारतीय वित्तीय क्षेत्र का पुनर्निर्माण किया है।



सुधांशु त्रिवेदी

## हिंडनबर्ग के आरोपों का उच्चतम न्यायालय संज्ञान ले : आप

**NEW DELHI :** आम आदमी पार्टी (आप) ने रविवार को कहा कि अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा सेबी प्रमुख माधवी पुरी बुच के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर उच्चतम न्यायालय को संज्ञान लेना चाहिए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट विदेशी फंड में हिस्सेदारी थी। हिंडनबर्ग ने संदिग्ध बताया है कि अदाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति की अदाणी समूह से जुड़े विदेशी फंड में हिस्सेदारी हो सकती है। वहीं, सेबी प्रमुख ने इस आरोप को 'आधारहीन' और 'चरित्र हनन' का प्रयास बताया है। आप के राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के एक पैनल से कहा था कि अदाणी समूह के संबंध में जांच 'दिशाहीन' है। उन्होंने कहा, 'सेबी प्रमुख और उनके पति का पैसा मुद्रौटा कंपनियों में निवेश किया गया था। ये तथ्य उच्चतम न्यायालय से क्यों छिपाए गए? उच्चतम न्यायालय को नए घटनाक्रम पर ध्यान देना चाहिए और देखना चाहिए कि किस तरह तथ्यों को छिपाया गया।'

## कांग्रेस अध्यक्ष का सेबी पर हमला बोले- संयुक्त संसदीय समिति से कराएं जांच

**NEW DELHI :**

अमेरिकी शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग की रिसर्च रिपोर्ट सामने आने के बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सेबी पर लगे आरोपों की जांच कराने की मांग की है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अदाणी समूह और सेबी की मिलीभगत से हुए घोटाले की जांच संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से कराई जाए। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे की जेपीसी से जांच कराना जरूरी है। नहीं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की संवैधानिक संस्थाओं से समझौता करके अपने सहयोगियों को बचाते रहेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार को अदाणी समूह के घोटालों की जांच करवाकर सेबी पर लगे आरोपों पर स्थिति स्पष्ट करनी होगी। साथ ही तुरंत कार्रवाई करनी होगी। एक्स पर किए गए एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आने के बाद सेबी ने सुप्रीम कोर्ट में अदाणी समूह पर लगे आरोपों पर खारिज कर दिया था। अब सेबी प्रमुख पर आरोप लगे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यम वर्ग के निवेशक अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं। ऐसे घोटालों और आरोपों के बाद निवेशक चिंतित हैं। उन्हें सुरक्षा की जरूरत है। खड़गे ने कहा कि इस घोटाले की जांच जेपीसी से कराना जरूरी है। यह किया गया हिंडनबर्ग की रिसर्च में दावा : अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ताजा रिपोर्ट में चौंकाने वाले दावे किए गए हैं। रिपोर्ट में भारतीय शेयर बाजार नियामक सेबी की प्रमुख और उनके पति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। ताजा रिपोर्ट सामने आने के बाद भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड की प्रमुख माधवी बुच और उनके पति धवल बुच के नाम कथित अदाणी घोटाले से जुड़ रहा है।



मल्लिकार्जुन खड़गे

## प्रधानमंत्री ने जारी की जलवायु अनुकूल बीजों की 109 किस्में



पूसा कि किसानों का अभिवादन करते पीएम नरेंद्र मोदी

● पीटीआई

**NEW DELHI (BHASHA) :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कृषि और बागवानी फसलों की उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सुदृढ़ीकृत बीजों की 109 किस्में को जारी किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है। इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से

संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं। मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी ने किसानों के साथ इन नई किस्मों के महत्व पर चर्चा करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया।

## अनंतनाग मुठभेड़

## एक नागरिक की इलाज के दौरान मौत, मृतकों की संख्या तीन हुई

**SRINAGAR :** जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भीषण मुठभेड़ में घायल दो नागरिकों में से एक की रविवार तड़के इलाज के दौरान मौत हो गई। इससे अनंतनाग मुठभेड़ में मारे गए नागरिकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को आतंकवादियों की गोलीबारी में घायल हुए अब्दुल राशिद डार की रविवार तड़के यहां एक अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। उन्होंने बताया कि शनिवार को 10,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित अनंतनाग जिले के अहलान गगरमांडू वन क्षेत्र में आतंकवादियों के साथ भीषण मुठभेड़ में दो सैन्यकर्मी शहीद हुए और दो नागरिक घायल हो गए थे। अधिकारियों के मुताबिक, चुनौतीपूर्ण भौगोलिक स्थिति के बावजूद आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान जारी रहा। शनिवार को कोकरनाग क्षेत्र के सुदूरवर्ती अहलान गगरमांडू जंगल में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया गया था।

## पंजाब में उफनती नदी में वाहन के बहने से एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की मौत

**HOSHIARPUR (BHASHA) :**

पंजाब के होशियारपुर से लगभग 34 किलोमीटर दूर जैजों में रविवार को पानी से लबालब छोटी बरसाती नदी में एक वाहन के बह जाने से एक परिवार के आठ सदस्यों समेत नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य लापता हो गए। पंजाब में हुई भारी बारिश के कारण नदी उफान पर है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि परिवार के 11 सदस्य स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) चालक के साथ हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले के मेहतपुर के निकट देहरा से विवाह समारोह में शामिल होने पंजाब के एसबीएस नगर जिले के मेहरोवाल गांव जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि जब



वाहन जैजों में भारी बारिश के कारण पानी से लबालब भरी छोटी नदी से गुजरा, तो वह बह गया। पुलिस ने कहा कि कुछ स्थानीय लोगों ने पानी की तेज लहरों के कारण वाहन चालक को नदी पार करने को लेकर आगाह भी किया, लेकिन वह उनकी बात अनसुनी कर आगे बढ़ गया। हालांकि, स्थानीय निवासी वाहन में सवार श्रीनगर से होकर निकल रही बाण गंगा नदी में मिट्टी का टापू ढहने से सात नवयुवकों की मौत हो गई।

## राजस्थान में बाणगंगा नदी के किनारे बनी पोखर की पाल टूटी, हादसे में सात नवयुवकों की डूबने से मौत

**BHARATPUR :** भरतपुर के बयान में गांव फरसों के पास बाणगंगा नदी के किनारे बनी पोखर की पाल टूट गई, जिसमें सात बच्चे डूब गए हैं, 8 बच्चे पानी में बहे थे। जिसमें से सात बच्चों की मौत हो चुकी है। अचानक हुए हादसे के बाद हड़कंप मच गया और ग्रामीणों ने नवयुवकों के बाद सभी नवयुवकों को बाहर निकाला, जिनमें कुछ के शव भरतपुर पहुंच चुके हैं। जिले के बयाना उपखंड की ग्राम पंचायत फरसों के गांव श्रीनगर से होकर निकल रही बाण गंगा नदी में मिट्टी का टापू ढहने से सात नवयुवकों की मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार गांव के लोग नदी के किनारे के मिट्टी खोदकर निकाला करते थे, जिसके चलते वहां जगह-जगह पर गड्ढे गड्ढे हो गए थे और नदी के तेज बहाव को देख रहे थे। उसी दौरान मिट्टी का टीला ढह गया। हादसे में सातों नवयुवक उन गड्ढों में डूब गए। हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव घटना स्थल पर पहुंचे और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची।

## अध्ययन दुनिया भर में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास है कम से कम एक माई या बहन

## बुढ़ापे में खुशहाल रहने में मददगार है माई-बहन का रिश्ता

**CALGARY (BHASHA) :**

माई-बहन का रिश्ता हमारे जीवन के सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाले रिश्तों में से एक है। कनाडा के आधे लोगों और दुनिया भर में लगभग 80 प्रतिशत लोगों के पास कम से कम एक माई या बहन है। माई-बहन के रिश्ते को बनावे का मामला बन जाता है, हालांकि, अधिकांश माई-बहन के रिश्ते जीवन भर कायम रहते हैं। बचपन में, माई-बहन के रिश्तों को जीवन भर के लिए सकारात्मक बनाने में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माई-बहन का रिश्ता और बच्चे का विकास : माई-बहन का रिश्ता न केवल अनोखा होता है, बल्कि यह बच्चे के विकास में भी

माई-बहन के रिश्तों की गुणवत्ता 65 वर्ष की आयु में खुशहाल रहने के सबसे मजबूत संकेतकों में से एक थी। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं तो माई-बहन के रिश्ते भी बदलते हैं। प्रारंभिक व्यवस्था में, माई-बहन के रिश्ते को बनावे का मामला बन जाता है, हालांकि, अधिकांश माई-बहन के रिश्ते जीवन भर कायम रहते हैं। बचपन में, माई-बहन के रिश्तों को जीवन भर के लिए सकारात्मक बनाने में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। माई-बहन का रिश्ता और बच्चे का विकास : माई-बहन का रिश्ता न केवल अनोखा होता है, बल्कि यह बच्चे के विकास में भी



महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिन बच्चों के माई-बहन होते हैं, उनके अपने साधनों के साथ बेहतर रिश्ते होते हैं, वे रचनात्मक खेलों में अधिक शामिल होते हैं और उनमें सहानुभूति तथा एक-दूसरे के विचारों व भावनाओं को बेहतर समझ होती है। वे अक्सर उन लोगों की तुलना में बहुत पहले ही सामाजिक कौशल विकसित

कर लेते हैं, जिनके माई-बहन नहीं होते हैं। इससे उन्हें स्कूली जीवन की शुरुआत होने पर दौस्त बनाने में मदद मिलती है। कुछ अध्ययनों से पता चला है कि माई-बहन के सकारात्मक रिश्ते भी कठिन समय में, जैसे कि जीवन में तनाव और माता-पिता के बीच वैवाहिक मतभेदों के दौरान, एक सुरक्षात्मक कारक के रूप में काम करते हैं। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि माई-बहन किसी व्यक्ति के विकास पर बड़ा प्रभाव डाल सकते हैं। उदाहरण के लिए, बच्चे अपने माई-बहनों के साथ संघर्ष और प्रतिस्पर्धा से बचने के लिए अपने व्यक्तित्व को समायोजित कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त, केवल यह जानना कि

उनका कोई माई-बहन है, बच्चे पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। माई-बहन का झगड़ा, प्रतिद्वंद्विता : जब हम बच्चे होते हैं, तो माई-बहन के रिश्ते प्रतिद्वंद्विता से भरे हो सकते हैं। किशोरावस्था में, जब हम साधनों के साथ नये रिश्ते और अपनी पहचान तलाशते हैं तो माई-बहन के रिश्तों में दार आ जाती है। यह शायद कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि माई-बहन के रिश्तों पर शोध का एक प्रमुख विषय झगड़ा है। माई-बहन का झगड़ा काफी आम है और कुछ हद तक, वास्तव में बच्चों के विकास के लिए अच्छा हो सकता है। माई-बहन का रिश्ता बच्चों के

लिए झगड़ा सुलझाने के लिए एक अनूठा संदर्भ प्रदान करता है, क्योंकि दोस्ती के विपरीत, माई-बहन का रिश्ता सिर्फ झगड़े के बाद खत्म नहीं हो सकता है। माई-बहनों के साथ झगड़े को सुलझाकर, बच्चे मूल्यवान कौशल सीख सकते हैं, जैसे कि दूसरों के दृष्टिकोण को समझना, सहानुभूति विकसित करना, सुनने के कौशल में सुधार करना, सीमाएं निर्धारित करना और अपने हितों के लिए खड़े होना। हालांकि, माई-बहनों के बीच प्रतिद्वंद्विता और प्रतिस्पर्धा महसूस करना सामान्य बात है, लेकिन जब यह रिश्ते पर हावी होने लग जाती है, तो यह नाकारात्मक माहौल पैदा कर सकती है।



BRIEF NEWS

हटनिया तालाब से निकाली गई बाल कांड यात्रा

RANCHI : श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के तत्वावधान में रविवार को भव्य और विशाल बाल कांड यात्रा निकला गया। छोटे छोटे बच्चों ने राजभवन के समीप स्थित हटनिया तालाब से यात्रा शुरू की। बच्चे पैदल, रातू रोड चौक होते हुए पहाड़ी मंदिर, महाकाल बाबा पर जलाभिषेक किया। इस दौरान बाल शिव -पार्वती के जीवंत स्वरूप ने सबका मनमोहन लिया। हटनिया तालाब द्वार पर रांची विधायक सी पी सिंह, कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा, महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू, प्रवक्ता बादल सिंह के द्वारा संयुक्त रूप से आरती कर बाल कांड को प्रस्थान किया गया।

संस्कार केंद्र से बच्चों को दिखाए सही दिशा : संदीप

RANCHI : जोहार लॉर्ड बुद्ध फाउंडेशन की ओर से आयोजित एवं भारत विकास परिषद के रांची मध्य एवं महानगर शाखा के द्वारा प्रायोजित शहीद जीतराम बाल संस्कार केंद्र का उद्घाटन अनगढ़ा प्रखंड के खवसी टोली गांव में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि बीआईटी मेसरा के इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्प्यूटेशन के डीन डॉ. संदीप सिंह सोलंकी एवं एमबीआई के ब्रांच मैनेजर सोरब कुमार ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सिंह सोलंकी ने कहा कि ऐसी जगहों पर संस्कार केंद्र की बहुत आवश्यकता है।

रेलवे ई-टिकट का अवैध कारोबारी गिरफ्तार

RANCHI : रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रेलवे ई-टिकट के अवैध कारोबारियों को गिरफ्तार किया है। आरपीएफ पोस्ट रांची के निरीक्षक दिगंजय शर्मा ने रविवार को बताया कि रांची मंडल के आरपीएफ कमांडेंट पवन कुमार के निर्देश पर रेलवे ई-टिकट के अवैध कारोबारियों के खिलाफ ऑपरेशन उपलब्ध के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सुखदेव नगर की सहायता से चंद्रमौली मिश्रा नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

# बड़े कांड को अंजाम देने की थी योजना, रंगदारी के कई मामलों का खुलासा छापार नदी के पास पुलिस के हथियार चढ़े टीएसपीसी के तीन उग्रवादी

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को उग्रवादी संगठन टीएसपीसी के तीन सदस्यों को रांची पुलिस ने दबोच लिया। सभी को बुढ़मू थाना क्षेत्र के छापार नदी के पास से गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार सभी उग्रवादी रांची के ग्रामीण इलाके, चतरा और हजारीबाग में रंगदारी मांगने और रंगदारी नहीं मिलने पर गोलीबारी करने समेत कई मामलों में शामिल है। एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने यह बड़ी कार्रवाई की है।

गिरफ्तार उग्रवादियों में अजीत सोरेन, आकाश लोहरा और सुमित लहरी शामिल है। गिरफ्तार हुए एक उग्रवादी का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है। रविवार को रांची ग्रामीण एसपी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी। गिरफ्तार उग्रवादियों द्वारा बताया गया कि



गिरफ्तार उग्रवादियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी।

माच 2024 में बड़कागांव थाना क्षेत्र के कायलंग पतरा बालू यार्ड में दिवाकर गंडू के साथ मिलकर संगठन का वर्चस्व बढ़ाने और लेवी वसूली को लेकर फायरिंग किये थे। माच 2024 में ही बड़कागांव थाना क्षेत्र के गुडकुवा जंगल में पूरी टीम के साथ मीटिंग करने के बाद खाना

पैसा उगाही व मारपीट की घटना में थे शामिल

ग्रामीण एसपी ने बताया कि एसएसपी को गुप्त सूचना प्राप्त हुई की दामोदर नदी के किनारे बड़कागांव, केरेडरी और बुढ़मू थाना की सीमा पर स्थित छापार बालू घाट में पैसा उगाही को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना में शामिल टीपीसी कमांडर दिवाकर गंडू के दस्ता के तीन वर सक्ति सदस्य छापार गांव में आये हुए हैं। जो किसी घटना को अंजाम देने का योजना बना रहे हैं। जिसके बाद पुलिस की टीम ने तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से लेवी मांगने में प्रयुक्त कई मोबाइल फोन को बरामद कर जबा किया गया है।

कई कांडों को दे चुके हैं अंजाम

रांची के ग्रामीण एसपी सुमित अग्रवाल ने बताया कि गिरफ्तार तीनों उग्रवादी टीएसपीसी कमांडर दिवाकर गंडू उर्फ प्रताप जी दस्ते के सक्रिय सदस्य हैं। तीनों उग्रवादियों ने रांची, चतरा और हजारीबाग में कई वारदातों को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस की पुष्टाछ में तीनों गिरफ्तार उग्रवादियों ने बताया कि वे लोग मार्च 2024 में हजारीबाग के बड़कागांव के कायलंग बालू यार्ड में फायरिंग और रंगदारी करने की वारदात में शामिल थे। इसके अलावा चतरा जिले के पिपवार थाना क्षेत्र, हजारीबाग जिला के केरेडरी, उरीमारी और रामगढ़ जिला के पतरतु थाना क्षेत्र में भी कई घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं।

सड़क निर्माण कार्य में लगी कंपनी से लेवी वसूलने के लिए फायरिंग किये थे और काम बंद करवाये थे। इसके अतिरिक्त दस्ता कमांडर दिवाकर गंडू उर्फ प्रताप जी के साथ मिलकर चतरा जिला

के पिपवार थाना क्षेत्र, हजारीबाग जिला के केरेडरी, बड़कागांव, उरीमारी थाना क्षेत्र तथा रामगढ़ जिला के पतरतु थाना क्षेत्र में कई घटनाओं को अंजाम दिये हैं।

झारखंड मिथिला मंच ने जगत कल्याणार्थ किया महारुद्रभिषेक, बांटे पौधे

RANCHI : अशोक नगर स्थित देवालय में रविवार को झारखंड मिथिला मंच की ओर से महारुद्रभिषेक का आयोजन किया गया। इस दौरान यजमान के तौर पर मंच के अध्यक्ष डॉ आनंद शंखर झा शामिल हुए। रुद्रभिषेक के बाद डॉ आनंद ने बताया कि जगत कल्याणार्थ की भावना लिए यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। मौके पर वन विभाग की ओर से भक्तों के बीच 500 पौधे भी बांटे गये। रुद्रभिषेक कार्यक्रम को सफल बनाने में विधायक सीपी सिंह, मंच के महासचिव मिथिलेश मिश्रा, कोषाध्यक्ष सुनील झा, संरक्षक श्रीपाल झा, संयोजक मनोज मिश्रा, जानकी प्रकोष्ठ की निशा झा के अलावा सर्वजित झा, सुजीत झा, गगन मिश्रा, संजीत झा, कमलदेव झा, निशिकान्त पाठक, राजीव रंजन और मंच के सदस्यों ने अहम भूमिका निभाई।

जुमार नदी में डूबकर छात्र की मौत भागकर दोस्तों के साथ गया था घूमने

PHOTON NEWS RANCHI : रविवार को राजधानी के जुमार नदी में मनन विद्या स्कूल का एक छात्र डूब गया है। जानकारी मिलने पर एनडीआरएफ की टीम छात्र को नदी से निकालने का प्रयास कर रही है। छात्र बिहार के गया जिले का रहने वाला था।



पीयूष की फाइल फोटो।

छात्र पीयूष कुमार सिंह बिहार के गया जिला का रहने वाला है। वह हॉस्टल में रहकर पढ़ाई कर रहा था। बेटे की मौत की सूचना सुनकर पिता मंटू सिंह और दूसरे परिजन रांची पहुंचे हुए हैं। वहीं दूसरी तरफ एनडीआरएफ की टीम के द्वारा नदी में गोताखोरों को उतारा गया है ताकि छात्र के शव को बरामद किया जा सके।

जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप के लिए 21 अगस्त को होगा ट्रायल

RANCHI : जालंधर में 9 से 19 सितंबर तक होने वाली 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2024 के लिए झारखंड टीम के चयन के लिए 21 अगस्त को ट्रायल होगा। बताया गया कि झारखंड टीम के गठन के लिए हॉकी खिलाड़ियों का चयन ट्रायल 21 अगस्त को रांची के मरांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम, मोरहाबादी में होगा। यह चयन ट्रायल 21 अगस्त को प्रातः 9 बजे से होगा है। इस चयन ट्रायल में झारखंड के 16 हॉकी खिलाड़ी भाग ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 जनवरी 2005 को या उसके बाद हुआ हो। चयन ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ी को अपने साथ पंचायत या नगर निगम से निर्गत जन्म प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, विद्यालय का बोनाफाइड प्रमाण पत्र, उम्र पत्राता प्रमाण पत्र लाना अनिवार्य है।

परीक्षाओं के नाम पर हो रहा मंडारे का आयोजन : बाबूलाल

PHOTON NEWS RANCHI : बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने एक बार फिर हेमंत सरकार पर निशाना साधा है। ट्वीट कर कहा है कि हेमंत सरकार में साप्ताहिक परीक्षा के नाम पर मजाक चल रहा है। ऐसा लगता है कि परीक्षाओं के नाम पर मंडारे का आयोजन किया जा रहा है। कहीं एक ही बेंच पर छह-छह विद्यार्थी बैठकर परीक्षा दे रहे हैं, तो कहीं बरामदे में बिछाई गई दरी में छात्र-छात्राओं का एक झुंड परीक्षा दे रहा है। मूल्यांकन के उद्देश्य से ली जाने वाली इन साप्ताहिक परीक्षाओं से मूल्यांकन छात्रों का तो नहीं, परंतु हेमंत सरकार का जरूर किया जा सकता है कि कैसे हेमंत सरकार छात्रों के भविष्य के साथ खेल रही है। स्कूलों में न तो बैठने की व्यवस्था है, न तो कक्षाओं को संचालित



बाबूलाल मरांडी।

करने के लिए भवन हैं, न तो पठन-पाठन का वातावरण है, और न ही छात्रों के उच्चल भविष्य के लिए सरकार के पास कोई प्लान, ऐसे में झारखंड का भविष्य किधर जाएगा, आप खुद ही अंदाजा लगा सकते हैं। जेएमएम-कांग्रेस ने राज्य की शिक्षा व्यवस्था को अपना राजनीतिक प्रयोगशाला बनाकर रख दिया है।

गाजा से प्यार व बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार : अमर बाउरी

RANCHI : नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी ने ज़ामुमो-कांग्रेस और राजद पर निशाना साधा है। ट्वीट कर कहा है कि आखिर कब तक दोहरी नीति चलेगी। उन्होंने सवाल उठाते हुए पूछा है कि बांग्लादेशियों के सबसे बड़े हितैषी ज़ामुमो-कांग्रेस-राजद व उनके नेताओं द्वारा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर किसी ने क्या एक भी पोस्ट देखा है। गाजा से प्यार और बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदुओं से तकरार, यही है ज़ामुमो-कांग्रेस-राजद की नीति। ग्रामीण विकास मंत्री डॉ इफ्रान अंसारी ने एक बार फिर भाजपा पर निशाना साधा है। कहा है कि नहीं रहते किसी के साथ अन्याय नहीं हो सकता। जिन लोगों पर बीजेपी बांग्लादेशी घुसपैठिए होने का कलंक लगा रही है, वे हमारे भाई हैं।

## रांची विस क्षेत्र में भारतीय जनता युवा मोर्चा ने निकाली तिरंगा यात्रा

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को स्वतंत्रता दिवस को लेकर भारतीय जनता युवा मोर्चा, रांची महानगर अध्यक्ष रोहित नारायण सिंह के नेतृत्व में रांची विधानसभा क्षेत्र में तिरंगा यात्रा निकाला गई। इसकी शुरुआत भवान बिरसा मुंडा की समाधि स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित कर भारत माता की जय, वंदे मातरम, भगवान बिरसा मुंडा अमर रहें के जोरदार नारों से की गई। यह यात्रा समाधि स्थल से शुरू होकर देश के वीर सपुत सहित अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा तक गई। फिर वहां उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर वीर शहीद अल्बर्ट एक्का अमर रहें, के नारों के साथ इस यात्रा का समापन हुआ।



मौके पर रांची विधानसभा क्षेत्र के विधायक सीपी सिंह ने कहा हर भारतीय को अपने देश अपनी माटी से बहुत प्रेम है और इसके लिए मर मिटने को वह हमेशा तैयार रहता है। हमारा तिरंगा हमारे लिए सब कुछ है। आज इसी को लेकर यह तिरंगा

यात्रा युवा मोर्चा रांची महानगर द्वारा निकाली गई है। सभी कार्यकर्ताओं को विशेष रूप से बधाई देता हूं। भाजपा रांची महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि हम सभी को बहुत बलिदान और शहादत के बाद स्वतंत्रता मिली है। मौके पर शशांक राज, रोहित नारायण सिंह महामंत्री बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा राजू सिंह विनय सिंह जितेंद्र सिंह पटेल श्रीनिवास संजय महतो, बब्बन बैठा, शिवम सोनी, देवराज सिंह, अमिताभ धीरज, सचिन साहू, धर्मेन्द्र शुक्ला, उज्वल मिश्रा, अभित साहू, अजय कुमार, शुभम सिंह, बसंत पांडे अशोक गोपी, आनंद वर्मा और विकास रवि सहित सैकड़ों युवा साथी मौजूद थे।

कराटे ट्रेनिंग की ग्रेडिंग में 351 खिलाड़ी सफल

RANCHI : सिकोई कराटे इंटरनेशनल इंडिया एवं इंटरनेशनल मार्शल आर्ट एकेडमी (इमा) के संयुक्त तत्वाधान में रविवार को एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह ग्रेडिंग का आयोजन किया गया। बिशप स्कूल के सभागार में आयोजित कराटे ग्रेडिंग में राज्य के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से लगभग 380 खिलाड़ी शामिल हुए। कराटे ग्रेडिंग को दो चरण में संपन्न किया गया, जिसमें 351 खिलाड़ी सफल घोषित किए हुए। शिविर के दौरान सभी खिलाड़ियों को सिकोई कराटे इंटरनेशनल इंडिया के राज्य प्रतिनिधि व इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी (इमा) के तकनीकी निदेशक शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवॉंस कुमिटे व काता का का प्रशिक्षण दिया।

## डॉक्टरों के बायोमेट्रिक अटेंडेंस मामले में रियायत की उटी आवाज, आकस्मिक सेवा में मांगी छूट

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को आइएमए झारखंड चैप्टर और जेएसएचए की संयुक्त और आपात बैठक रविवार को आइएमए भवन में हुई। अलग अलग जिलों से आए डॉक्टरों ने सरकार द्वारा हाल में लिए गये बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य किए जाने के मसले पर चिंता जताई और इसे अव्यवहारिक बताया। आइएमए के सचिव डॉ प्रदीप सिंह ने मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि डॉक्टरों का संगठन बायोमेट्रिक अटेंडेंस पद्धति का विरोध नहीं करता। पर वर्तमान में 3 जिलों पलामू, साहिबगंज एवं गढ़वा में इसे वेतन से जोड़ा गया है। यहां तक कि इसी आधार पर वेतनमान में कटौती



मीडिया को जानकारी देते चिकित्सक।

भी हुई है। विभाग द्वारा इससे संबंधित एक ऑनलाइन पोर्टल लागू किया गया है जिससे ड्यूटी करने के बाद भी चिकित्सक एवं पारार्कर्मियों को बार-बार स्पष्टीकरण एवं अनुशासनात्मक कार्रवाई, वेतन

अवृद्ध एवं वेतन की कटौती जैसी समस्याएं होंगी। इससे चिकित्सकों में रोष है। विभाग को इससे पहले संगठन के पदाधिकारी के साथ एक बैठक करनी चाहिए थी। इसी संबंध में आइएमए एवं ज्ञासा की संयुक्त

आकस्मिक मीटिंग बुलाई गई। इसमें सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि झारखंड के सभी चिकित्सक 20 अगस्त से बायोमेट्रिक अटेंडेंस का बहिष्कार करेंगे? हालांकि वे निष्ठा पूर्वक एवं ईमानदारी से अपनी ड्यूटी करेंगे। अपनी उपस्थिति ऑनलाइन रजिस्टर में अंकित करेंगे लेकिन बायोमेट्रिक अटेंडेंस नहीं बनाएंगे। डॉ सिंह ने बताया कि जबतक हमारे संगठन के स्तर से अपेक्षित बिंदुओं पर सरकार सकारात्मक रुख नहीं दिखाती, हम सबों का विरोध जारी रहेगा। बैठक में डॉ ठाकुर मृत्युंजय सिंह, डॉ भारतीय कश्यप, डॉ प्रभा रानी प्रसाद, डॉ अजय कुमार, डॉ अभिषेक सहित अन्य भी शामिल थे।

## बीज परिषद की 21वीं बैठक में बोले कृषि निदेशक डॉ. कुमार ताराचंद- प्रस्ताव लाए विश्वविद्यालय

# बीएयू में बनेगी आधुनिक बीज परीक्षण लैब

PHOTON NEWS RANCHI :

रविवार को कृषि निदेशक डॉ. कुमार ताराचंद ने कहा है कि बिरसा कृषि विश्वविद्यालय एक आधुनिकतम सुविधाओं से युक्त बीज परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना के लिए शीघ्र प्रस्ताव लाए, राज्य सरकार इसके लिए पर्याप्त राशि मुहैया कराएगी। बीज क्रय, वितरण एवं बोआई के पूर्व इस प्रयोगशाला में बीज गुणवत्ता की जांच होने से फसल नुकसान की संभावना न्यूनतम रहेगी। कृषि महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में बीएयू की बीज परिषद की वार्षिक बैठक को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड की 80% आबादी कृषि क्षेत्रों में रहती है। राज्य की दो तिहाई आबादी कृषि कार्यों पर निर्भर है



बीएयू अधिकारियों के साथ कृषि निदेशक डॉ. कुमार ताराचंद।

इसलिए राज्य के लिए कृषि से ज्यादा महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है उन्होंने बीएयू में देश के अग्रणी बीज कंपनियों का एक सम्मेलन आयोजित करने पर बल दिया ताकि राज्य और केंद्र की विभिन्न योजनाओं के तहत निशुल्क और सब्सिडी पर वितरित किए जाने हेतु

गुणवत्तायुक्त बीज की यथासमय उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके। बीएयू को आसपास के राज्यों के लिए अनुशंसित फसल प्रभेदों की उपयुक्तता का अपने यहां परीक्षण कर 6-8 महीने पर राज्य सरकार को अनुशंसा उपलब्ध करानी चाहिए। अलग अलग राज्य बनने

पोषक तत्वों से भरपूर बायो फोर्टिफाइड फसलों

नई रिलीज पॉलिसी के तहत अब केवल स्ट्रेस टोलरेंट और पोषक तत्वों से भरपूर बायो फोर्टिफाइड फसल प्रभेदों को ही रिलीज किया जाएगा। बीएयू के बीज एवं प्रवेश निदेशक डॉ शम्भूनाथ कर्मकार ने बताया कि गत वर्ष विभिन्न खरीफ एवं रबी फसलों के कुल 6368 विटल प्रजनक, आधार एवं प्रमाणित/सत्यापित बीज पैदा किये गये। वर्तमान खरीफ एवं आगामी रबी मौसम में सीड हब का क्षेत्र मिलाकर विभिन्न केंद्रीय और किस्मों के कुल 9312 विटल बीज उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, हजारीबाग के विशेष कार्य पदाधिकारी डॉ शिशाल नाथ, बीएयू के अनुसंधान निदेशक डॉ पीके सिंह, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ जगरनाथ उरांव तथा डॉ रवि कुमार ने भी अपने सुझाव रखे। डॉ रामप्रसाद मांडी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। एनजीओ प्रतिनिधि फादर विपिन पानी तथा एफपीओ प्रतिनिधि अंजली लडा एवं देवी वरुण गोप को सम्मानित किया गया।

के 24 वर्षों बाद भी झारखंड अपनी खाद्यान्न आवश्यकताओं के मामले में आत्मनिर्भर नहीं हो पाया है। राज्य में अवस्थित आईसीएआर के संस्थान, बीएयू, राज्य सरकार, तथा यहाँ कार्यरत अग्रणी स्वयंसेवी संगठन बेहतर तालमेल और समन्वय से कार्य करेंगे, तभी

झारखंड में कृषि और किसानों के परिदृश्य में अपेक्षित बदलाव हो पाएगा। बीएयू के कुलपति ने कहा कि राज्य में एक सुदृढ़ बीज नीति लागू करने से आवश्यकता है। इसमें उत्पादन से लेकर विपणन और उठाव तक की रणनीतियां और रोड मैप हो।

## महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा ने सीएम से की मुलाकात



मुख्यमंत्री के साथ अलका लांबा व अन्य।

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा ने रविवार को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन और विधायक कल्पना सोरेन से उनके आवास में मुलाकात की। इस अवसर पर झारखंड कांग्रेस प्रभारी गुलाम अहमद मीर, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह मुख् बैठक करनी चाहिए थी। इसी संबंध में आइएमए एवं ज्ञासा की संयुक्त

और महिलाओं के अधिक न्याय, सामाजिक न्याय, राजनीतिक न्याय को लेकर विस्तार पूर्वक बातचीत की और एक मांग पत्र साँपी। मांग पत्र के माध्यम से निम्नलिखित मांग रखीं गयीं। इनमें महिला आयोग का गठन करने, महिला शान्ति का गठन, मुख्यमंत्री मैया सम्मान योजना का लाभ 1000-1500 देने, मनरेगा महिला खेती मजदूर को लाभ कार्ड देने, आंगवार्डों वकर्स की तर्ज पर आशा वर्कर्स सहित अन्य मांग शामिल है।

# बच्ची का यौन शोषण करने वाले वैन चालक को पुलिस ने भेजा जेल

## दाईगुट्टू का रहने वाला है आरोपी, पुलिस ने वैन किया जब्त



वैन चालक के आरोपी की जानकारी देते सिटी एसपी ऋषभ गर्ग • फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS JSR:** मानगो थाना क्षेत्र निवासी साढ़े तीन वर्ष की बच्ची के साथ यौन शोषण करने वाले आरोपी वैन चालक दाईगुट्टू निवासी जयश्री तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर रविवार को जेल भेज दिया। इसके पूर्व पुलिस ने बच्ची का मेडिकल कराया। मामले की जानकारी देते हुए ग्रामीण एसपी सह प्रभारी सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि मामले को लेकर बच्ची की मां ने शिकायत की थी।

शिकायत पर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी जयश्री तिवारी को गिरफ्तार किया गया। **बच्ची ने परिजनों से की थी शिकायत:** ऋषभ गर्ग ने बताया कि बच्ची की मां के अनुसार, बच्ची मानगो के एक स्कूल में नर्सरी की पढाई करती है। वह वैन से आनाइजाना करती है। वैन के ही चालक ने उनकी बेटी ले साथ गलत हरकत की। शुक्रवार को बच्ची ने गुप्तांग में दर्द की

## शादाब ने पांच हजार में भाड़े पर लिया था पिस्टल

**PHOTON NEWS JSR:**

उलीडीह थाना अंतर्गत जवाहरनगर रोड नंबर 14 स्थित कब्रिस्तान के पास शुक्रवार देर रात शादाब पर फायरिंग की घटना झूठी निकली। शादाब ने कर्जदारों से बचने के लिए खुद पर फायरिंग की झूठी कहानी रची थी। यही नहीं, उसने हथियार भी भाड़े पर लिया था। इस संबंध में पुलिस ने आरोपी शादाब और उसके साथी अलीम हुसैन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर एक देसी पिस्टल और दो गोली भी बरामद की है। रविवार को मामले का खुलासा

शिकायत की थी। इसके बाद बच्ची ने सारी घटना बताई। वैन

## जमीन दिलाने के नाम पर कई लोगों से लिए थे रुपये

एसपी ने बताया कि शादाब जमीन का कारोबार करता था। उसने कई लोगों को जमीन दिलाने के लिए 70 लाख रुपये ले रखे थे। यह रुपये उसने शादाब खान को दे दिए थे। शादाब खान भी जमीन का कारोबार करता है। वह शादाब को जमीन उपलब्ध नहीं करा पा रहा था, जिससे शादाब पर काफी दबाव पड़ने लगा। उसने अपने साथी अलीम के साथ मिलकर वारिस नामक युवक से पांच हजार रुपये के किराए पर हथियार लिया। सबसे पहले उसने अलीम के साथ मिलकर अपनी कार पर फायरिंग कराई और पुलिस को इसकी सूचना दी। देर रात उसने पुलिस को फोन कर फायरिंग की घटना की जानकारी दी। जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। तलाशी के क्रम में पुलिस ने मौके से एक खोखा बरामद किया। पुलिस ने जब आसपास सीसीटीवी की जांच की, तो उसमें पुलिस को घटना से संबंधित साक्ष्य नहीं मिले।

करते हुए ग्रामीण एसपी सह प्रभारी सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि शादाब ने कई लोगों से लाखों रुपये ले रखे थे जिसे वह वापस नहीं लौटा पा रहा था। इसी से

के मालिक से इस बारे में शिकायत करने पर उसने उल्टा झूसीघा

कहा, जिसके बाद पुलिस से शिकायत की।

## शहर में गटित हुआ सवर्ण महासंघ, महिला विंग व छात्र मोर्चा का भी होगा गठन

### पूरे राज्य में विस्तार की तैयारी, हक के लिए उठेगी आवाज

**PHOTON NEWS JSR:**

शहर में सवर्ण महासंघ का गठन किया गया है। इसकी बैठक रविवार को साकची स्थित गांधी घाट पार्क में हुई, जिसकी अध्यक्षता संरक्षक शिवपूजन सिंह ने की। उन्होंने बताया कि अभी तक एकजीव्यूटिव कमेटी और प्रत्येक थाना क्षेत्र के प्रतिनिधि मंडल मिलाकर संख्या 105 हो गई है। प्रत्येक थाना क्षेत्र से महिला विंग और छात्र मोर्चा का गठन किया जाएगा। महासंघ के कार्यक्रम निर्धारित कर लिया गया है सगठन पूरा होने पर कार्यक्रम प्रारंभ कर दिया जाएगा। सिंह ने संस्था की स्थापना और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आदिकाल से भारतीय संस्कृति-सभ्यता और राष्ट्र



गांधी घाट में जुटे संस्था के लोग

की रक्षा सवर्णों ने की है। कहा कि आज एक बार फिर आपसी समन्वय बिगड़ने से सवर्णों की स्थिति नाजुक हो गई है। अपने अस्तित्व को बचाने और अपने बच्चों के भावी जीवन को खुशहाल और सुरक्षित रखने, राष्ट्र और समाज को सही दिशा देने के लिए सवर्णों की एकजुटता

अवश्यंभावी हो गया है। इसकी शुरुआत जमशेदपुर में सवर्णों ने शुरू कर दी है। इसकी चिंगारी शीघ्र ही झारखंड और भारत में फैलेगी, तब यहां की राजनीति भी कर्वट लेगी। बैठक को शंभुनाथ सिंह, वाईपी सिंह, धनंजय सिंह, मुन्ना चौबे, सुशील कुमार श्रीवास्तव आदि ने भी संबोधित किया।

## बाबूडीह के जाहिरास्थल की चारदीवारी का सख्त ने किया शिलान्यास



**JAMSHEDPUR:** विधायक सरयू राय ने रविवार को बाबूडीह कोंदावस्ती स्थित जाहिरास्थल की चारदीवारी का शिलान्यास किया। इसका निर्माण 11 लाख रुपये की लागत से होगा। इस दौरान राय ने कहा कि बाबूडीह जाहिरा के अलावा बिरसागंज, सीतारामडेटा, कल्याण नगर, बागुनहातु, लक्ष्मीनगर, बागुन नगर, डुंगरी टोला, बाबूडीह लालभद्रा आदि क्षेत्र में करोड़ों रुपये की लागत से सरना, मसना, जाहिरा, ग्रामस्थल, देशाकली, धुमकुड़िया भवन की दो दर्जन से अधिक योजनाओं को जिला कल्याण एवं जेएनएस में भेजा गया है।

## तिरंगा यात्रा में दिखा देशभक्ति का ज्वार



पोटका में नारेबाजी करते गाजयुगो कार्यकर्ता

**PHOTON NEWS JSR:** आजदी का उत्सव मनाने और हर घर तिरंगा अभियान का संदेश लेकर स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्यगाथा का यशोगान करते हुए भाजयुगो की ओर से रविवार को हर घर तिरंगा अभियान के तहत पोटका विधानसभा में विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई। जमशेदपुर महानगर जिलाध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में निकली इस यात्रा में पूर्व विधायक मेनका सरदार व भाजयुगो के प्रदेश मंत्री अमित अग्रवाल समेत काफी

## भाजपा महिला मोर्चा के 13 अगस्त को होने वाले धरना-प्रदर्शन की तैयारी तेज

**CHAIBASA:** हेमंत सरकार के खिलाफ भाजपा की महिला मोर्चा 13 अगस्त को धरना-प्रदर्शन होगा। इसे सफल बनाने के लिए पार्टी ने पूरी ताकत झोंक दी है। इस संबंध में रविवार को पार्टी कार्यालय में बैठक हुई, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा, पूर्व सांसद गीता कोड़ा व पूर्व विधायक बड़कुंवर गामराई समेत तमाम कार्यकर्ता उपस्थित थे। जिलाध्यक्ष संजय पांडेय की अध्यक्षता में हुई इस बैठक को पूर्व विधायक जवाहरलाल बनारा, गुरुचरण नायक, पूर्व जिला अध्यक्ष अशोक चाडगी, सतीश पुरी व विपिन पुर्ती ने भी संबोधित किया। मंच संचालन विपिन पुर्ती व प्रताप कटियार और धन्यवाद ज्ञापन जगदीश पाट पिंगुआ ने किया।

प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं नमन करने के पश्चात संपन्न हुई। इससे पहले, वीर शहीद सिद्धो-कान्हु की आदर्शकद प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं नमन कर तिरंगा यात्रा प्रारंभ हुई। इस दौरान यात्रा में शामिल लोगों ने भारत माता की जय और वंदे मातरम का उद्घोष कर माहौल को देशभक्ति के रंग में रंग दिया।

लोगों ने यात्रा का पूरे मार्ग में जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। इस दौरान लोगों में अभियान को लेकर उत्साह नजर आया। सभी नेता व कार्यकर्ता हाथ में तिरंगा लिए सड़कों पर पैदल चल रहे थे। तो वहीं, सैंकड़ों युवा कार्यकर्ता बाइक पर तिरंगा लेकर शामिल हुए।

## सीएम, नेहा तिरकी व बिहारी नेताओं का फूँका पुतला



साकची गोलचक्कर पर पुतला जलाते कार्यकर्ता

**JAMSHEDPUR:** साकची गोलचक्कर पर रविवार को सीएम हेमंत सोरेन, मांडर की विधायक शिल्पी नेहा तिरकी सहित बिहारी जनप्रतिनिधियों का पुतला दहन किया गया। आंदोलन का नेतृत्व कर रहे सागर तिवारी ने कहा कि मांडर की विधायक ने पिछले दिनों विधानसभा में बिहारियों को पुसपैठिया कह दिया, जबकि झारखंड बिहार से ही जन्मा है। ताज्जुब की बात है कि उसका विरोध किसी बिहारी जनप्रतिनिधि

ने भी नहीं किया। तिवारी ने कहा कि इस राज्य को बने 24 साल हो गए, पर विकास के नाम पर यहां के नेताओं को केवल बाहरी-भीरों की राजनीति आती है। यदि ये सभी लोग बिहारी समाज से माफ़ी नहीं मांगते हैं, तो जोरदार आंदोलन होगा। कार्यक्रम में धर्मवीर महतो, प्रदीप सिंह, रामकृष्ण दुबे, रामेश्वर, विकास, विवेक सिंह, आशुतोष, निखिल, जयप्रकाश, अभिषेक, सोनु, राजकुमार पाठक आदि उपस्थित थे।

## सोनारी में यादव समाज के सामुदायिक भवन का भूमिपूजन



**JAMSHEDPUR:** स्वास्थ्य मंत्री बनना गुला ने रविवार को सोनारी में यादव समाज के लिए सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि क्षेत्र का विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। यादव समाज के विकास, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए कोई सामुदायिक भवन नहीं था, चुनाव के दौरान यादव समाज से किया वादा आज पूरा कर रहा हूँ। इस दौरान सत्य नारायण सिंह, त्रिभुवन यादव, दीपक यादव, उमेश यादव, लक्ष्मण यादव, उमेश कुमार यादव, बबन यादव, लालबाबू सिंह, सत्येंद्र सिंह आदि उपस्थित थे।

## समाचार सार

### आज खुला रहेगा चिड़ियाघर

**JAMSHEDPUR:** जुबिली पार्क स्थित टाटा स्टील जूलोजिकल पार्क (चिड़ियाघर) साप्ताहिक अवकाश के बाद भी सोमवार को खुला रहेगा। चिड़ियाघर प्रबंधन ने बताया कि विश्व हाथी दिवस को लेकर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देश भर के चिड़ियाघरों से सोमवार को खुला रखने का आग्रह किया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हाथियों के संरक्षण व संवर्धन के प्रति जागरूक हो सकें।

### शहादत दिवस पर याद किए गए खुदीराम बोस

**JAMSHEDPUR:** अमर शहीद खुदीराम बोस का शहादत दिवस रविवार को मनाया गया, जिसमें मानगो गोलचक्कर पर सुबह से दोपहर बाद तक श्रद्धांजलि देने वालों का तांता लगा रहा। भाजपा झुग्गी-झोपड़ी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विकास सिंह ने भी कई लोगों के साथ प्रतिमा स्थल पर खुदीराम बोस की प्रतिमा को दूध, दही, गंगाजल, शहद और घी से स्नान कराया।

### बारीडीह से भालूबासा तक रन फॉर हेल्थ एंड यूनिटी

**JAMSHEDPUR:** कांग्रेस पार्टी के प्रदेश सचिव प्रिंस सिंह के नेतृत्व में रविवार को रन फॉर हेल्थ एंड यूनिटी किया गया। यह दौड़ बारीडीह चौक से शुरू होकर भालूबासा चौक पर समाप्त हुआ, जिसमें पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार भी शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में खुदीराम बोस को श्रद्धांजलि दी गई और उनके बलिदान को याद किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस के कार्यकारी नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र सोनकर, अमित राय, राहुल गोस्वामी, नीरज सिंह, नवीन मिश्रा, राजा सिंह राजपूत आदि भी थे।

### लोधी समाज की 'मिसेज क्वीन' बनीं प्रेमा वर्मा

**JAMSHEDPUR:** सोनारी स्थित सीपी क्लब (प्रगति क्लब) में रविवार को अखिल भारतीय लोधी क्षत्रिय महासभा की महिला संगठन द्वारा सावन महोत्सव मनाया गया। इसमें मिसेज क्वीन का खिताब प्रेमा वर्मा लोधी, सोनी राम लोधी व नमिता लोधी को मिला, जबकि मिस क्वीन परिधि लोधी, भावना लोधी व सिम्मी लोधी रहीं। बेबी विनर में सोनम लोधी, रुचि लोधी व काव्य लोधी, मेहंदी प्रतियोगिता में विनर लक्ष्मी लोधी, बेस्ट मेकअप विनर आशा लोधी थीं।

### डीएवी में तुलसी जयंती पर हुआ कवि सम्मेलन

**CHAIBASA:** सुरजमल जैन डीएवी पब्लिक स्कूल में महाकवि तुलसीदास की जयंती मनाई गई, जिसमें कवि सम्मेलन भी हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहुमुखी प्रतिभा के धनी तरुण मोहम्मद थे। प्राचार्या रेखा कुमारी ने कहा कि बच्चे अपनी क्षमता पहचानें, अपनी प्रतिभा बढ़ाएं।

## कांवर यात्रा में भूत-प्रेत की झांकी रही आकर्षण का केंद्र, खूब लगे जयकारे



साकची में निकली कांवर यात्रा में तरह-तरह के देवों के कलाकार • फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR:** सावन माह में रविवार की सुबह साकची बाजार श्री शिव मंदिर कमेटी द्वारा निकाली गई, जिसमें भूत-प्रेत की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। कांवर यात्रा स्वर्णरेखा नदी मानगो से जल उठाकर ढाई किलोमीटर की यात्रा तय कर श्री श्री साकची शिव मंदिर पहुंची, जहां सभी भक्तों ने कतारबद्ध होकर शिवलिंग का जलाभिषेक किया। इस यात्रा में स्वास्थ्य मंत्री बनना गुला, पत्नी सुधा गुला संग शामिल हुए। दोनों पांच पंडितों ने पूजा अर्चना कराई। यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं ने बोलबम बोलबम के जयकारों के साथ पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना दिया। साकची शिव मंदिर में महाआरती के पश्चात सभी भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया।

तुलसी भवन में स्वतंत्रता दिवस पर हुई देशभक्ति समूह नृत्य प्रतियोगिता, सावन के अवसर पर हुए कई कार्यक्रम

## गीत-नृत्य से छात्र-छात्राओं ने भरा देशप्रेम का जोश, बजी तालियां



तुलसी भवन में नृत्य करती छात्राएं

**PHOTON NEWS JSR:** स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य पर सिंहभूम जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन व तुलसी भवन द्वारा रविवार को दो दिवसीय अंतरविद्यालय देशभक्ति समूह गीत एवं नृत्य प्रतियोगिता संपन्न हुई। इसमें नगर के 22 विद्यालयों से कुल 186 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। सभी प्रस्तुति उच्चस्तरीय रही। कार्यक्रम का आरंभ कर्नल

अखौरी रंजन सिन्हा (अध्यक्ष, पूर्व सैनिक सेवा परिषद, झारखंड) एवं अर्पणा सिंह (कोषागार पदाधिकारी, सरायकेला) के संग संस्थान के अध्यक्ष सुभाष चंद्र मूनका, उपाध्यक्ष रामनंदन प्रसाद, महासचिव डॉ. प्रसेनजित तिवारी, उपसचिव डॉ. प्रमनंदन तिवारी, मेहता द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रचलन के साथ हुआ।

### 'मॉनिंग रागा' में कलाकारों ने किया मंत्रमुग्ध



**JAMSHEDPUR:** जमशेदपुर म्यूजिक सर्किल की ओर से रविवार को बिष्टुपुर स्थित संकटमोचन मंदिर में 'मॉनिंग रागा' का आयोजन किया गया, जिसमें कलाकारों ने प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध कर दिया। पहली प्रस्तुति गायिका राखी कर्मकार की रही। इनके साथ तबले पर कार्तिकेश मिश्रा और हारमोनियम में बरिंद्र उपाध्याय ने बेहतरीन संगत किया। इसके बाद सितारवादक अनिरुद्ध सेन और गजल गायक पंकज झा ने शास्त्रीय संगीत पर आधारित भजन एवं गजल की प्रस्तुति करके खूब तालियां बटोरीं।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शिउली पॉल, पिंकी मुखर्जी एवं जया मुखर्जी शामिल रहीं। कार्यक्रम संयोजक अरुणा भूषण शास्त्री, सुरेशचंद्र झा एवं पूनम महानंद के साथ आयोजन को

### सावन महोत्सव में गीत-संगीत की रही बहार



**JAMSHEDPUR:** बिष्टुपुर स्थित न्यू रोड क्लब हाउस में रविवार को जमशेदपुर कैंस क्लब द्वारा सावन महोत्सव मनाया गया, जिसमें गीत-संगीत की धुन पर महिलाएँ खूब झूमं। क्लब की महिलाओं ने सावन के गीत, कविता, भजन आदि सुनाए, तो नृत्य भी किया। आयोजन में जमशेदपुर के विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं ने हिस्सा लिया। क्लब की संयोजक रचेता सिंह ने बताया कि सावन सुहागिनियों के लिए एक पावन महीना है, जिसमें हमलोग देवी पार्वती और शिव की विशेष आराधना करते हैं।

सफल बनाने में डॉ. यमुना तिवारी व्यथित, डॉ. अजय कुमार ओझा, दिव्येंद्र त्रिपाठी, डॉ. वीणा पांडेय

'भारती', अजय कुमार प्रजापति, कैलाशनाथ शर्मा 'गाजीपुरी', नीलिमा पांडेय सक्रिय रहे।



# शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात् शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्रायः पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है -

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महाभूमि प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चना किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभा-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- भस्म से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना करने पर यश, कीर्ति तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विजय तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोक के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुछ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात् शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा अप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झूलसना होगा, अतः अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

## सावन के मंगलवार करें ये उपाय हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात् वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है। सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेरी के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं। बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें - मंत्र- राम रामेति रामेति रामे रामे मनोरमे। सहस्र नाम तनुत्यं राम नाम वरानने। अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आए। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।



## सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ भगवान शिव यहां साक्षात् विराजमान हैं



गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ का ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुनः प्राप्त हुई,

इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुनः प्राप्त हुई,

प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे रस्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है। किंवदंती है कि सोम अर्थात् चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी

ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात् विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां 'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिह्न को हिरण शाप का निवारण - मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात् चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गाई के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

## बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अतः जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

## गरुड़ पुराण से जानें कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरुड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृत्तान्त है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरुड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है कि इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है कि कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरण अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय

नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सुझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।





## Don't make some 'unequals' more equal than others

EVEN as the Opposition, led by Rahul Gandhi in the Lok Sabha, continues its focus on social justice and a caste count, the Supreme Court has adjudicated the constitutional issue of sub-classification of Scheduled Castes (SCs) in State of Punjab vs Davinder Singh, permitting sub-classification among SCs/STs for the purpose of reservation. The central question pertained to the constitutionality of the Punjab Scheduled Caste and Backward Classes (Reservation in Services) Act, 2006, where SCs were sub-classified to provide Balmikis and Mazhabi Sikhs first preference in the state reservation policy for SCs. Extending the principle from the OBCs to the SCs/STs, the court overruled the 2004 verdict in EV Chinniah vs State of Andhra Pradesh to allow state governments to carve out sub-quotas within the SC category. By doing this, "it rejects homogeneity in the backwardness of SCs and promotes homogeneity in the forwardness of SCs," argues Asang Wankhede, a Dalit scholar at the University of Oxford in a recent article.

Three issues have dominated policy debates on reservation since Independence. The first is whether backward classes should be caste groupings or whether these would be identified by economic and occupational criteria. The second is whether listing and preference for these groups are to be undertaken on an all-India basis or by state governments. The third concern is the exclusion of other disadvantaged groups from this framework and whether more complex criteria of caste, class, religious community and gender should form the basis of entitlement than the caste-based reservation because, in actual practice and interpretation, backward classes have come to be synonymous with backward-caste Hindus. Pressures have arisen from time to time to introduce changes in official categories to recognise economic and social mobility within caste groupings, especially OBCs. But it has been difficult to apply this differentiation measure to OBCs, and rather difficult, if not impossible, to take hard decisions "to put out of the benefit system" communities with political and economic clout. It will not be easy to do the same for SCs.

However, the question of economic differentiation within castes and communities needs to be addressed. The sub-classification debate addresses this by taking on board the question of whether SCs are a homogenous class in their composition. The court weighed in on the side of heterogeneity to classify and give preferential treatment to the more backward among them with the aim of furthering substantive equality. It is based on a clear recognition that SCs are not a homogenous category anymore as there are differences in the extent of backwardness and the levels of advancement among them. The reservation policy, from the start, was conceptualised as a policy of compensatory discrimination emanating from the traditional caste hierarchy. It was a remedial measure for handicaps faced by individuals and groups due to social discrimination. However, the 103rd Amendment Act in 2019 changed the rationale of reservation by creating provisions for 10 per cent reservation for the EWS (Economically Weaker Section) in higher education institutions and government jobs for those who are not beneficiaries of existing reservation. The focus now shifts to economic backwardness, divested of historic injustices to which the lower castes have been subjected. The judicial approach in this case appears to follow the same line of reasoning and considers SCs and OBCs as equally situated within the constitutional scheme, although there are significant differences. The distinctions between the SCs, who are historically discriminated, and OBCs falling under the category of socially and educationally backward classes are significant. The OBCs constitute a heterogeneous category, more varied and diverse than the SCs and STs. Moreover, reservation for OBCs was designed to provide for power-sharing, whereas reservation for the SCs and STs aimed to reverse social discrimination and to increase equality of opportunity. The former aimed to change the balance of power while the latter sought to achieve greater equality.

## Killing of Haniyeh, Shukur can trigger wider war in West Asia

PM Netanyahu is adamant about destroying the Hamas and dealing a crushing blow to Iran and its proxies.

THE recent assassinations of Hamas chief Ismail Haniyeh in Tehran and Hezbollah leader Fuad Shukur in Beirut, reportedly by Israeli intelligence agency Mossad, have upset US President Joe Biden. He was not expecting one of America's closest allies, Israel, to create a geopolitical crisis entangling the US armed forces into a full-blown war less than 100 days before the presidential election. This was confirmed by US Secretary of State Antony Blinken when he said on July 31 that Israel had not even informed the US about its plan to kill Haniyeh.

The Hamas leader's slaying came at a time when the US was actively involved in negotiations for a ceasefire in Gaza, the release of hostages (including some Americans) from the Hamas' custody and preventing a regional conflict. It showed that there was no agreement between Israeli PM Benjamin Netanyahu and the Biden administration on the objectives of the war and the terms for stopping it. Netanyahu seems to be in no mood to bring an end to the Gaza war — which has resulted in more than 40,000 civilian deaths and injuries to about one lakh people — until his aim of destroying the Hamas is achieved to regain the 'strategic deterrence'. The US, on the other hand, believes that a fight to the finish would do more harm than good, radicalise more Palestinians and provoke a wider war, alienating other allies and resulting in huge human casualties and losses to the global economy, trade and environment. Also, Israel does not have the capability to win such a regional war and would perform drag the US into this conflict, which Washington does not want. America is also worried that even if its closest ally shows such little faith in it, how would it convince Iran, the Arabs and the other allies of its cause? But the pressure on President Biden from the Jewish lobby at home is such that he still can't abandon Israel in this war, and Netanyahu knows it. The Islamic regime in Iran is livid with Israel's audacious behaviour. Haniyeh's killing reveals gaping holes in the security of the Iranian state and its inability to protect its guests at the time of the inauguration of its new President, Masoud Pezeshkian, when there was the highest level of security. And Israel's ability to take out numerous Iranian nuclear scientists and Islamic Revolutionary Guard Corps commanders in and outside Iran with relative ease conveys a message that no one in Iran is outside its reach. According to one estimate, Israel has killed about 40 commanders or senior members of the Iranian security forces, including its proxies, since October 7 last year. The Iranian leadership feels humiliated. Supreme Leader Ali Khamenei has vowed to avenge Haniyeh's death and ordered 'harsh' punishment for Israel. Tehran's response would have to be much bigger this time than that in April if it is to retain its credibility. According to Iranian sources, it would lead the initial attack with the involvement of Iraqi, Yemeni and Syrian proxies, targeting Israeli military objectives. It will



be followed by a second wave of attacks by the Hezbollah in Lebanon. Areas deep inside Israel, such as Tel Aviv and Haifa, will be attacked. The residences of Israeli officials and the US forces in Iraq and Syria will also be targeted. The Israelis are expecting the attacks by or after August 17. The US has urged its allies, like Jordan, to talk to the Iranians to calm their anger. Russian President Vladimir Putin has also asked the Supreme Leader of Iran to restrain his response against Israel and avoid attacking Israeli civilians to prevent a wider war in West Asia. Comfortable with political, economic and military support from the US, the Netanyahu government remains undeterred. It is willing to take risks. Netanyahu is adamant about destroying the Hamas and dealing a crushing blow to Iran and its proxies. The war strengthens Netanyahu's otherwise weak position at home, as he is seen as a strong leader who can stand up to Israel's enemies as well as the US. If an opportunity arises, Netanyahu would be happy to order a pre-emptive strike against Iran's nuclear facilities, which have become anathema to Israel and others. He thinks the Americans are not doing enough about it. The governments of several

countries intervening between Iran and Israel have informed Tehran that they would shoot down any incoming Iranian missile for their own security. So far, Iran's proxies in Iraq and Lebanon have launched limited rocket and drone strikes against Israel and American targets in the Golan Heights and the US base in Iraq, causing some fatalities and injuries. Israel has struck some Hezbollah targets in south Lebanon, mainly in border areas. Since Iran cannot take on the US military, it is expected to continue a prolonged but controlled conflict (some kind of guerrilla war) that hurts its adversaries but does not escalate into a full-blown regional war. The ceasefire agreement that the US was trying to broker to secure the release of hostages or bring peace in the region appears elusive now. The assassinations ordered by Israel have brought the region closer to the brink of a wider war with devastating consequences for West Asia and the world at large. It is bad news for America to get ensnared in this conflict when its priority is the Indo-Pacific and it is already supporting a full-scale war in Ukraine. It remains to be seen if the US will be able to prevail upon a recalcitrant Netanyahu to agree to its peace terms.

## Sisodia's bail

A turning point in politico-legal battle

THE granting of bail to Manish Sisodia in the Delhi excise policy scam on Friday marks a significant moment in India's legal and political arena. The arrest of Sisodia, a key lieutenant of AAP supremo Arvind Kejriwal, had sent shockwaves through political circles. The court's decision underscores the principle that even in high-stakes cases, the right to liberty cannot be overshadowed by prolonged judicial custody and upholds the principle of bail being the norm and jail an exception. Sisodia has been in custody for 17 months without the commencement of proceedings, depriving him of his right to a speedy trial. The stance also resonates with the broader discourse on personal liberty in India's legal system. The Supreme Court's emphasis that bail should not be withheld as a punishment also highlights the complex interplay between politics and the judicial process. This case raises critical questions about the use of investigative



agencies in politically sensitive cases. The timing of Sisodia's arrest and the subsequent media frenzy suggested a possible political motive, a concern echoed by many in the Opposition. The judiciary's role in balancing these pressures while upholding the rule of law is pivotal. It has, notably, intervened even in stringent UAPA cases, ensuring that the law is not weaponised to silence opposition. In 2021, the Bombay High Court granted bail to activist Sudha Bharadwaj after she had spent over three years in custody without trial. Similarly, a Delhi University professor, GN Saibaba, was acquitted in 2022 due to procedural lapses and a lack of evidence. Meanwhile, Sisodia's bail also marks a crucial moment for the Aam Aadmi Party, which has maintained that the charges were politically motivated. It gives the party hope that its other leaders, including Kejriwal and Satyendar Jain, who are also embroiled in legal battles, will receive similar justice.

## THE GREAT GAME: Dacca-Dhaka/1975-2024

Events are leavened not just by the memory of August 15, 1975, but also coloured by fate of things to come

RONEN Sen was a young diplomat in 1974 when he was posted to Dacca (Dhaka), Bangladesh, still new after the 1971 Liberation War and still ruled by the conquering democrat-hero Mujibur Rahman. Within a year, Mujib and his family — including his youngest son Russel, barely 10 years old — were massacred in the wee hours of August 15, 1975, in their home at Dhanmondi in the heart of the capital. (I've visited that home, which later became a memorial, several times and the memory of the fading blood splatter on the staircase as some of Mujib's family members sought to escape, in hindsight, is a testimony to the bloody rollercoaster of Bangladesh's history.) The way Sen tells the story, with characteristic understatement, about how the message of Mujib's assassination was sent to Indira Gandhi, from Dacca to Delhi that morning — all kinds of transport were employed, it seems, including a motorbike — and how it barely reached her, just as she was climbing the ramparts of the Red Fort to deliver the PM's address to the nation. Mujib was dead. A young nation's promise had been brutally cut short.

As he thinks back on that strange morning, Sen says, he is filled with a sense of déjà vu. What were the forces that had carried out those murders 49 years ago? And who is responsible for the revolution in Bangladesh this past week? As we celebrate another Independence Day in India, the events in Bangladesh are leavened not just by the memory of 1975, but surely coloured by the fate of things to come. As a 17-member interim government has been sworn in under Chief Adviser Muhammad Yunus, there are reports that the BSF is stopping Bangladeshis from entering India via the land borders. Seems the BJP is in a dilemma — let the people, not long ago described by Home Minister Amit Shah as 'termites', in, or keep them out, like the BJP chief ministers of Assam and Tripura are demanding.

Moreover, should only Bangladeshi Hindus be allowed in — remember that citizenship under the CAA is applicable only to 'minorities' in South Asia — or should India open its doors to all Bangladeshis, including those secular Awami Leaguers believed to be hiding near the airport in the hope they can soon make a dash and catch a plane to safety?

Some of Sen's déjà vu need not be 49 years old. Many remember another August 15 only three years ago, in 2021, when then Afghan President Ashraf Ghani fled Kabul with three close aides and suitcases full of cash — the aides have long resettled in parts of the Western world, while Ghani cools his heels in Abu Dhabi. Like in Bangladesh, India had firmly shut the entry of all Afghans into the country — they are still not allowed in. The similarity with Sheikh Hasina ends there. Five days after the former Bangladesh PM fled Dhaka and landed at the Hindon airbase, she is still awaiting permission to enter the UK. It's likely the British are waiting for the Americans to say yes — everyone knows about the bad blood between Hasina and the Americans as well as London's deferential ties with Washington DC — and highly likely that the latter are keeping Hasina on hold in order to send her a message.

The incredible irony is that if Hasina is allowed into London, she will likely take the place of another Bangladeshi exile who has lived there for more than 15 years and is probably wending his way back home — Tarique Rahman, also known as Tino, the son of Bangladesh Nationalist Party leader Khaleda Zia. Mother Khaleda, a former Prime Minister and the wife



of former martial law dictator Gen Ziaur Rahman, is more ill than well. When Tino returns to Dhaka from London, which is supposed to be fairly soon, he will be the power on or behind the throne. The next few weeks will be interesting to watch — certainly, everyone will watch how the relationship between Chief Adviser Yunus and the Bangladesh army unfolds. Army chief Gen Waker-Uz-Zaman was supposed to visit Delhi this month — Delhi should encourage that the visit take place sooner than later. We know by now that 48 hours before Hasina fled, persuaded by her son in the US to stand down — it seems she refused to entertain even her sister Rehana's plea to do so — army officers had resolved not to fire into the crowds of student protesters. There is this tradition of loyalty to people that the Bangladesh army abides by — thousands of whose soldiers gave their lives in the Liberation War — even if

the temptation to wield power behind the throne is a strong one. As the Modi government contemplates a realigning South Asia, it must ask itself what it really wants its 'Neighbourhood First' policy to look like — especially when it seems likely that Pakistan's ISI will now happily splash in the waters of the Bay of Bengal. The truth is that the Indian subcontinent is different from relationships with the US or Russia or China because India's ties with its neighbours are deeply embedded in culture, religion, ethnicity, language — all of them seeping into each other, creating a pulsating palimpsest of cultures on your doorstep. That's why it's imperative to constantly talk to everyone, including those that don't like you — or especially those that don't like you — in order to know what, when and why they think as they do. Equally, it is true that India supported Hasina to the hilt, in the face of severe criticism by the Americans, across two elections. But as things deteriorated, perhaps Prime Minister Modi or External Affairs Minister S Jaishankar could have called her and given her "brotherly advice", like Pranab Mukherjee used to do. Perhaps, if they had metaphorically held Hasina's hand and persuaded her to stand down in time, they could have averted this twisted turn of fate.

For now, as India watches pictures of the smouldering remains of Bangabandhu Mujibur Rahman's home in Dhanmondi, where he and his family were cruelly felled, the only thought that comes to mind is that even in 1975, the murderers didn't touch Bangabandhu's home. What is it about Naya Bangladesh that has made them want to deface their own history today?

## Unhappy neighbours, and poor diplomacy

NEW DELHI Exactly two years ago, in August 2022, Sri Lanka's President, Gotabaya Rajapaksa and 2 security guards fled the country hours before he was slated to resign. His first stop was the Maldives. The Rajapaksa family left behind waves of street protests and a gutted President's residence.

The same parallels have played out in Bangladesh. Sheikh Hasina, who ran what we all thought was a stable regime, has fallen to weeks of intense student protests, and has fled to India. What's shocked political observers is the suddenness and the intensity of the uprising. What started as an anti-reservation agitation against quotas in government jobs for so-called freedom fighters, snowballed into an 'Oust Hasina' campaign.

For India, there is genuine concern as the country's large 8% Hindu minority faces a backlash. The contours of the new interim government – with Begum Khalida of the Bangladesh Nationalist Party (BNP), and Jamaat-e-Islami elements – has a decidedly anti-India ring. 'India Out', a popular slogan of the agitators, has a Maldives echo, where the pro-China President Mohamed Muizzu has asked India's small army contingent to leave. What does long-time ally Sheikh Hasina's ouster spell for India? In recent months, there have been a series of regime changes among our neighbours not favourable to India. Our credibility as a reliable ally is being questioned. What has gone wrong?

### Anti-India ring

Sheikh Hasina started her third term in office in January this year after an election that was seen to be neither free nor fair. While many Western countries questioned her re-election and called for restoration of democracy, India chose to remain silent. This created considerable resentment against India. In the recent months and weeks, Hasina has come to be hated for her repressive measures and for the over 300 students killed; and India is seen as a collaborator. Besides the anti-India slogans, there has been months of a social media campaign to boycott Indian goods.

The significance of Bangladesh can't be overstated. India has a 4,000 km boundary with her eastern neighbour and a significant trade of nearly \$13 billion a year in two wheelers, medical services and tourism. Trade figures don't reflect it, but Bangladesh is India's largest manpower provider. India's bottom-of-the-pyramid jobs are performed by immigrants, many of whom cross over illegally.

## Food market likely to grow 47% to USD 1.3 billion

NEW DELHI: The domestic food market is likely to grow by more than 47% to \$1,274 billion by 2027, a report released by the Confederation of Indian Industry and supported by Danfoss India said. The food processing industry sees innovative start-ups emerging with cutting-edge technology, the report titled 'Food Processing Sector in India - Potential for Southern States'. and released by CII, CII FACE (Confederation of Indian Industry -- Food and Agriculture Centre of Excellence) and Danfoss India, said.

Danfoss India is a leader in heating, ventilation and air-conditioning and is the subsidiary of Denmark-headquartered engineering major Danfoss.

Some of the key highlights of the report include the potential that southern states hold for food processing industry. "Tamil Nadu leads India's export of processing fruits, juices and nuts, with a 33 per cent share by quantity and 27 per cent by value, exporting 2,08,370



metric tonnes worth USD 220.81 million in 2023-24," the report said. The food processing industry in India sees innovative startups emerging with cutting-edge technology, the report said. The study carries insights on emerging trends, technologies and export opportunities enabling businesses to make informed decisions and tap into the sector's potential. South India's food processing sector is on the cusp of a revolution, with innovative segments like millets, ready-to-eat and plant-based dairy alternatives unlocking a treasure trove of economic opportunities for farmers.

## Inside Hindenburg's claims: SEBI chief's alleged conflicts of interest and offshore funds tied to Adani probe

MUMBAI. US-based short-seller Hindenburg Research on Saturday alleged that SEBI Chairperson Madhabi Buch and her husband, Dhaval Buch, held hidden stakes in the same 'obscure' offshore Bermuda and Mauritius funds used by Vinod Adani, brother of billionaire Gautam Adani, in what is described as the money 'siphoning scandal'. Hindenburg suggested that this is why India's capital market regulator was not keen to thoroughly investigate the Adani Group.

In January 2023, Hindenburg published a critical report accusing the Adani Group of stock manipulation and accounting fraud, which led to a significant decline in the company's stock price. The Adani Group has consistently denied these allegations, and the Supreme Court has supported its stance. Last year, the Apex Court noted that SEBI had not achieved significant results in its investigation into the Adani matter.

"We suspect SEBI's reluctance to take meaningful action against suspected offshore shareholders in the Adani Group may be due to Chairperson Madhabi Buch's involvement with the same funds used by Vinod Adani," the short-seller stated in a new report released late on Saturday.

# Recycling of discredited claims: Adani Group on latest Hindenburg charge

NEW DELHI. Adani Group has strongly rejected the latest allegations by Hindenburg Research, calling them "malicious, mischievous and manipulative". The US-based short-seller firm on Saturday claimed that whistleblower documents show Securities and Exchange Board of India (Sebi) Chairperson Madhabi Puri Buch had a stake in the obscure offshore entities used in the "Adani money siphoning scandal". In a statement on Sunday, the Adani Group said the latest allegations are "recycling of discredited claims" that have been proven baseless in court. advertisement "The latest allegations by Hindenburg are malicious, mischievous and manipulative selections of publicly available information to arrive at pre-determined conclusions for personal profiteering with wanton disregard for facts and the law. We completely reject these allegations against the Adani Group which are a recycling of discredited claims that have been

thoroughly investigated, proven to be baseless and already dismissed by the Hon'ble Supreme Court in January 2024," Adani Group said in a statement.

In its statement, the Adani Group called Hindenburg's report a "calculated deliberate effort to malign" their standing.

### THE HINDENBURG REPORT

The Hindenburg report claimed, "We had previously noted Adani's total confidence in continuing to operate without the risk of serious regulatory intervention, suggesting that this may be explained through Adani's relationship with Sebi Chairperson, Madhabi Buch". It alleged, "What we hadn't realized: the current Sebi Chairperson and her husband, Dhaval Buch, had hidden stakes in the exact same obscure offshore Bermuda and Mauritius funds, found in the same complex nested structure, used by Vinod Adani".

The report further added, "Madhabi Buch



and her husband Dhaval Buch first appear to have opened their account with IPE Plus Fund 1 on June 5th, 2015 in Singapore, per whistleblower documents. A declaration of funds, signed by a principal at IIFL states that the source of the investment is 'salary' and the couple's net worth is estimated at \$10 million".

SEBI CHIEF REJECTS ALLEGATIONS Sebi Chairperson Madhabi Puri Buch and her husband, too, rejected the allegations levelled against them by Hindenburg Research, calling it an

attempt of "character assassination".

In a joint statement, Madhabi Puri Buch and Dhaval Buch said the allegations were "baseless" and "devoid of any truth", and asserted that their finances were an open book. "In the context of allegations made in the Hindenburg Report dated August 10, 2024, against us, we would like to state that we strongly deny the baseless allegations and insinuations made in the report. The same is devoid of any truth. Our life and finances are an open book," the statement read. "All disclosures as required have already been furnished to Sebi over the years. We have no hesitation in disclosing any and all financial documents, including those that relate to the period when we were strictly private citizens, to any and every authority that may seek them," it said.

The Sebi chief and her husband said they would issue a detailed statement soon "in the interest of complete transparency".

## Adani group calls Hindenburg's allegations 'malicious'; Sebi chief on Adani link claims in Hindenburg report: Character assassination

New Delhi, Hindenburg Research on Saturday released a report alleging that Securities and Exchange Board of India (SEBI) Chairperson Madhabi Puri Buch and her husband Dhaval Buch had stakes in 'obscure' offshore entities linked to the 'Adani money siphoning scandal'. The latest development comes after the US-based short-seller posted a cryptic message hinting at a possible new India-centric report. The report claims that documentation from whistleblowers indicates their involvement in these offshore entities. Hindenburg claimed this is why SEBI did not conduct a thorough investigation into the conglomerate. "We suspect SEBI's unwillingness to take meaningful action against suspect offshore shareholders in the Adani Group may stem from Chairperson Madhabi Buch's complicity in using the exact same funds used by Vinod Adani, brother of Gautam Adani," the report claimed. The Adani Group, on Sunday strongly refuted the latest allegations made by Hindenburg Research, describing them as "malicious,

mischievous, and manipulative." In an official statement, the conglomerate accused Hindenburg of selectively using publicly available information to reach pre-determined conclusions for personal gain, without regard for facts or the law.



The Adani Group categorically rejected the claims, stating that these allegations are merely a recycling of discredited accusations that have been thoroughly investigated, proven baseless, and dismissed by the Supreme Court of India in January 2024.

The statement emphasized that the Adani Group's overseas holding structure is fully transparent, with all relevant details disclosed regularly in public

documents. The company also clarified that Anil Ahuja, mentioned in the allegations, was a nominee director of three investment funds in Adani Power from 2007 to 2008 and later served as a director of Adani Enterprises until 2017. "The Adani Group has absolutely no commercial relationship with the individuals or matters mentioned in this calculated deliberate effort to malign our standing," the company asserted. It reaffirmed its commitment to transparency and compliance with all legal and regulatory requirements.

The statement also took aim at Hindenburg Research, describing the firm as a "discredited short-seller" under investigation for multiple violations of Indian securities laws. The Adani Group dismissed Hindenburg's allegations as "red herrings" thrown by a desperate entity with "total contempt for Indian laws." Madhabi Puri Buch and her husband also rubbished the allegations levelled against them by Hindenburg as "baseless" and asserted that their finances are an open book.

New Delhi, Securities and Exchange Board of India (Sebi) Chairperson Madhabi Puri Buch and her husband have rejected the allegations levelled against them by US short-seller Hindenburg that they had stakes in obscure offshore funds used in the 'Adani money siphoning scandal', calling it an attempt of "character assassination".

In a joint statement, Madhabi Puri Buch and Dhaval Buch said the allegations were "baseless" and "devoid of any truth", and asserted that their finances were an open book. "In the context of allegations made in the Hindenburg Report dated August 10, 2024, against us, we would like to state that we strongly deny the baseless allegations and insinuations made in the report. The same is devoid of any truth. Our life and finances are an open book," it said. "All disclosures as required have already been



furnished to Sebi over the years. We have no hesitation in disclosing any and all financial documents, including those that relate to the period when we were strictly private citizens, to any and every authority that may seek them," it added. The Sebi chief and her husband said they would issue a detailed statement soon "in the interest of complete transparency". Criticising the report, the couple said, "It is unfortunate that Hindenburg Research against whom Sebi has taken an Enforcement action and issued a show cause notice has chosen to attempt character assassination in response to the same."

Hindenburg Research, on Saturday, cited whistleblower documents to allege that Madhabi Puri Buch, in charge of probing allegations of malfeasance and stock manipulation in the Adani Group of companies, and her husband had stakes in obscure offshore funds used in the Adani money siphoning case, raising questions of conflict of interest related to the market regulator.

In a blog post, Hindenburg said 18 months since its damning report on Adani, "Sebi has shown a surprising lack of interest in Adani's alleged undisclosed web of Mauritius and offshore shell entities.

## Banks need to focus on deposits: Nirmala Sitharaman

NEW DELHI. Finance minister Nirmala Sitharaman on Saturday stressed upon the importance for the banks to focus on their primary banking activities, specifically in terms of collecting deposits and providing loans to those in need of financial assistance. Speaking to the media following the Reserve Bank of India's (RBI) board meeting, the minister said deposits and lending are akin to the two wheels of a cart, noting that "the deposit is moving slowly." To address the imbalance between deposits and lending, Sitharaman urged the banks to develop "innovative and appealing" deposit schemes to attract funds from the public. Meanwhile, RBI Governor Shaktikanta Das stated that interest rates are deregulated, allowing banks to increase deposit rates to draw in funds. "Banks are free to decide on their

interest rates," he noted. "...More portfolios are available for more returns on money, that's why retail investment in markets has gone up. When they have so many options, banks also have to make use of innovative portfolios for attracting investment and deposit mobilisation," Sitharaman said. The central bank's governor pointed out that although interest rates are deregulated, banks frequently raise deposit rates to draw in funds. He mentioned that banks have increasingly relied upon short-term non-retail deposits and other financial instruments to address the growing demand for credit. In addition, Sitharaman expressed her intent to have further discussions with the banks, focusing on priority sector lending and methods to improve deposit collection. "I will be meeting

with the banks for various reasons, to take up the government's priority sector lending areas, emphasis on some of the government schemes, and also in that process talk to them about how it is important for them to go back to collecting deposits the old fashioned way," the finance minister stated.

Regarding the Sovereign Green Bond, the Governor announced that trading of these bonds is set to begin at the International Financial Services Centre (IFSC) in Gujarat in the latter half of the current fiscal year. "We are in discussion with the IFSC, it will be operationalised very soon. I think in the second half of the current fiscal, it will be possible," Das added.

When asked about the lukewarm response from investors to the issuance of green bonds, the RBI governor stated.

# Hindenburg claims Sebi chief had stake in offshore funds linked to Adani scandal

## Hindenburg's new report alleges 'Sebi chairperson had stake in offshore entities used in Adani scandal'

NEW DELHI. US-based short-seller firm Hindenburg Research on Saturday claimed that whistleblower documents show Securities and Exchange Board of India (Sebi) Chairperson Madhabi Puri Buch had a stake in the obscure offshore entities used in the "Adani money siphoning scandal". "We had previously noted Adani's total confidence in continuing to operate without the risk of serious regulatory intervention, suggesting that this may be explained through Adani's relationship with Sebi Chairperson, Madhabi Buch," the Hindenburg report claimed. What we hadn't realized: the current Sebi Chairperson and her husband, Dhaval Buch, had hidden stakes in the exact same obscure offshore Bermuda and Mauritius funds, found in the same complex nested

structure, used by Vinod Adani," it alleged. "Madhabi Buch and her husband Dhaval Buch first appear to have opened their account with IPE Plus Fund 1 on June 5th, 2015 in Singapore, per whistleblower documents. A declaration of funds, signed by a principal at IIFL states that the source of the investment is 'salary' and the couple's net worth is estimated at \$10 million," the report stated further.

### SEBI CHIEF REJECTS ALLEGATIONS

Responding to the allegations, Madhabi Puri Buch and Dhaval Buch said the claims made in the Hindenburg report were "baseless" and "devoid of any truth", and asserted that their finances were an open book. The couple also called it an attempt of "character assassination". "In the context of allegations made in the Hindenburg Report dated August 10, 2024, against us, we would like to state that we strongly deny the baseless allegations and insinuations made in the report. The same is devoid of any truth. Our life and finances are an open book," the statement read. "All disclosures as required have



already been furnished to Sebi over the years. We have no hesitation in disclosing any and all financial documents, including those that relate to the period when we were strictly private citizens, to any and every authority that may seek them," it said. The Sebi chief and her husband said they would issue a detailed statement soon "in the interest of complete transparency". Criticising the report, the couple said, "It is unfortunate that Hindenburg Research against whom Sebi has taken an Enforcement action and issued a show cause notice has chosen to attempt character assassination in response to the same."

### OPPOSITION SLAMS SEBI

The Opposition was quick enough to pick up the Hindenburg report with Trinamool Congress MP Mahua Moitra taking a swipe at Sebi. "This is both Conflict and Capture of SEBI. Chairperson of SEBI is an opaque investor in Adani Group. Samdhi Cyril Shroff is on Corporate Governance Committee. No wonder all complaints to SEBI fall on deaf ears," Moitra posted on X. Even Shiv Sena (UBT) leader Priyanka Chaturvedi reacted to the report. "Now we know why our letters went unanswered and unacknowledged," she said. The recent claims by the US short-seller came hours after it hinted at another revelation involving an Indian company. "Something big soon India," it had posted on X. In January 2023, Hindenburg levelled serious allegations against billionaire Gautam Adani's sprawling ports-to-power conglomerate, accusing it of stock market manipulation and financial misconduct. However, Gautam Adani has on multiple occasions categorically rejected all the allegations levelled by the short-selling firm.



# Delhi Teenager Touches Iron Pole While Playing Cricket, Electrocuted

**New Delhi:** A 13-year-old boy died due to electrocution when he came in contact with a live wire while playing cricket in Delhi on Saturday afternoon, police said. The police said that he was playing on a ground in West Delhi's Kotla Vihar Phase 2 and was electrocuted when he went to get the ball. He got an electric shock from an iron pole carrying electric wire to a cow shed situated in a corner of the ground, the police said.

He was immediately taken to the Deen Dayal Upadhyay Hospital but was declared brought dead. The police have registered a case under section 106(1) (death of any person by doing any rash or negligent act not amounting to culpable homicide) of the Bharatiya Nyaya Sanhita. Earlier last month, a 12-year-old boy died of electrocution after coming in contact with a live wire in southwest Delhi's Bindapur area. He was returning home from a tuition class when the

incident occurred on July 31.

In another incident, a 28-year-old man died of electrocution at his home in southeast Delhi's Mithapur area.

## Human Rights Body Notice To Delhi Over Electrocution Cases

The National Human Rights Commission of India (NHRC) has issued notices to the Delhi government, Delhi police commissioner, vice chairman of the Delhi Development Authority (DDA), and other senior officials in connection with reported incidents of drowning and electrocution in Delhi. The reported incidents, as in the recent past, are indicative of the "negligence by the civic authorities, which is a matter of concern", it said in a statement on August 3.

The NHRC said it has taken suo motu cognisance of a media report that at least 13 lives were lost in Delhi-NCR including six due to electrocution and four due to drowning after falling into overflowing

drains amid heavy rain "magnifying the creaky infrastructure and civic negligence". The Commission also said it would like to know about the steps taken or proposed by the authorities to ensure that such painful incidents do not recur.

## Compensation For Electrocution Cases

Power regulator Delhi Electricity Regulatory Commission has announced financial assistance of ₹ 7.5 lakh in case of loss of life and ₹ five lakh on more than 60 per cent disability due to electricity-related mishaps in the national capital. The regulations stipulate a range of compensation for loss of life, injuries to people as well as loss of milch and draught animals, birds, and poultry.

If an electricity-related accident causes 40-60 per cent injury to any person, he will get ₹ one lakh as compensation, ₹ 25,000 on hospitalisation for over a week, and ₹ 10,000 in case of less than a week of hospitalisation, the regulations lay down.



## How An Alert From Track Heat Detection Device Averted Train Accident In UP

**New Delhi:** An alert from an automated track device averted a train accident in Uttar Pradesh's Mirzapur as it warned officials of a hot wheel axle in a Seemanchal Express coach when it crossed over the heat detection equipment. Railway officials said the real-time alert was sent from the hot axle box detector at the Chunar station. "When the train (going to Delhi from Jogbani in Bihar) was crossing the station around 10 am on Saturday, very high temperature in the wheel axle of sleeper coach number S-3 was detected," North Central Railway



Chief Public Relation Officer Shashi Kant Tripathi told the news agency PTI. "The train was stopped at the next station, Jigna, and the coach was detached from the train after moving passengers in other coaches," he said and added that when the Seemanchal Express reached Prayagraj, a new coach was attached. At several points on the railway track, a device known as a hot axle box detector is installed. It measures the temperature of axle and provides an alert. The device fitted at the Chunar station provided a timely alert and corrective action was taken," Chand Mohammed, National Working President, All India Railway Track Maintainers Union, said.

## Rains Wreak Havoc In Himachal Pradesh, 135 Roads Closed

**Himachal Weather:** Heavy rains lashed parts of Himachal Pradesh as 135 roads remained closed in the state following landslides and flash floods. Reports of damages due to heavy rains, landslides and flash floods have poured in Lahaul and Spiti, Chamba and Sirmour districts but no casualty was reported. The Lahaul and Spiti police have issued an advisory for residents and travellers to exercise extreme caution and not to cross Jahalman nallah where the water level is rising rapidly. The regional Met office has also issued an 'orange' alert, warning for heavy to very rainfall at isolated places in five districts of Kangra, Mandi, Shimla, Solan and Sirmour accompanied by thunderstorm and lightning on Saturday and a 'yellow' alert for heavy rain throughout the state till August 16. Heavy rains lashed parts of the state with Nahan in Sirmour recording the highest rainfall of 168.3 mm since Friday evening, followed by 106.4 mm in Sandhole, 93.2 mm in Nagrota Surian, 67 mm in Dhaulakuan, 62.2 mm in Jubbarhatti and 45.6 mm in Kandaghat. According to the State Emergency Operation Centre, 135 roads including 42 in Sirmour, 37 in Kullu, 29 in Mandi, 17 in Shimla, five in Kangra, four in Kinnaur, one in Lahaul and Spiti district are closed while 24 power and 56 water supply schemes have been disrupted due to the rains. The MeT department also warned of a low to moderate flash flood risk in isolated parts of Chamba, Kangra, Mandi, Sirmour and Shimla districts till Sunday morning. The weather department has cautioned of the possibility of damage to plantations, crops, vulnerable structures and 'kutcha' houses due to strong winds and waterlogging in low-lying areas.

Meanwhile, rescue operations to trace about 30 people who went missing after the flash floods triggered by cloudburst in Kullu, Mandi and Shimla district on July 31 midnight continued on Saturday but there was no major success. So far, 28 bodies have been recovered in this tragedy, officials said. In view of an orange alert of heavy to very heavy rain in Hamirpur district on Saturday, Deputy Commissioner Amarjit Singh appealed to the residents to take precautions and avoid going near rivers and streams.

## Opposition Slams SEBI Chairperson Amid Fiery Hindenburg Allegations, Congress Demands JPC Probe

**New Delhi:** The Opposition has sharply criticized the recent Hindenburg Research report, which has levelled serious allegations against Madhabi Puri Buch, the chairperson of the Securities and Exchange Board of India (SEBI), and her husband. The Congress party and other opposition leaders have called for an immediate investigation into these allegations.

Congress General Secretary Jairam Ramesh, speaking on behalf of the party, highlighted SEBI's "strange reluctance" to investigate what he referred to as the "Adani MegaScam." In a statement issued on X (formerly Twitter), he said, "SEBI's strange reluctance to investigate the Adani MegaScam has been long noted, not least by the Supreme Court's Expert Committee. That Committee had pointed out in its report that SEBI had

in 2018 diluted and, in 2019, entirely deleted the reporting requirements relating to the ultimate beneficial (i.e. actual) ownership of foreign funds,"



Ramesh said in the statement.

Ramesh further questioned two 2022 meetings between Gautam Adani and Buch, which occurred shortly after she assumed her role as SEBI chairperson. He called for a Joint Parliamentary Committee (JPC) to probe the matter

thoroughly.

The Congress party has further alleged that Prime Minister Narendra Modi is conspiring to protect Gautam Adani, whom they refer to as his "best friend." In a statement, the party claimed that the investigation into the Adani mega scam was compromised because the SEBI chief herself is implicated. The statement asserted that only a JPC could properly investigate this "mega scam," but accused the Modi government of obstructing such a probe. Congress' media and publicity department head Pawan Khera said on Sunday that the shocking revelations of the

Hindenburg Report do not just expose the "cozy relationship" between the SEBI chief and the Adani group, they show how appointments to watchdog institutions are made in this government.

## S Jaishankar Inaugurates India-Funded Water, Sanitation Project In Maldives

**Male:** External Affairs Minister S Jaishankar on Saturday handed over a major water and sanitation project worth USD 110 million to the Maldives, funded by India. The project spans 28 islands.

S Jaishankar, who is in Male on a three-day official visit from August 9-11, virtually inaugurated the projects during the event.

While addressing the virtual inauguration, S Jaishankar stated that the development partnership between India and the Maldives is focused on meeting the needs and priorities of the Maldivian people and government. "Our development partnership is driven by the needs and priorities of the people and the Government of Maldives and is a judicious mix of grants, loans, budgetary support, capacity building and training assistance. We are now entering a phase where many of these projects are getting realized on the ground, delivering tangible benefits to the common people," said S Jaishankar.

Further, S Jaishankar highlighted the challenges posed by climate change, particularly for small island developing states like the Maldives adding emphasized the importance of addressing freshwater resource availability and access. He also noted that this initiative aligns with India's own programs, "Har Ghar Jal" (Water to Every Home) and "Swachha Bharat" (Clean India). "In our efforts to expand the scope and benefits of development cooperation, we are mindful of the challenges posed by climate change, especially, for small island developing states such as the Maldives, which are even more vulnerable to the vagaries of rising sea levels. One of the immediate concerns is the availability and access of freshwater resources," said S Jaishankar. "It has been our objective to provide ecologically sustainable low-cost solutions to our development partners so that they are not only able to access drinking water but also have the capability to treat sewage, thereby, protecting the delicate ecology of these islands and atolls. This finds resonance in our own initiatives in India of 'Har Ghar Jal' and 'Swachha Bharat' i.e. 'Water to Every Home' and 'Clean India,' he added.

This project has brought safe drinking water to so many islands, to 32 islands and introduced a sewerage system in 17 islands. "I am happy to note that this has directly impacted the lives of 28,000 Maldivians I believe. Under this project, the latest technologies have been used to provide clean drinking water and safe sewerage disposal. In addition, the buildings are also equipped with solar energy providing support to the island grids. With a total funding of USD 110 million, this is the largest climate adaptation implemented in Maldives with international collaboration," the EAM said.

## Delhi-NCR Rain Alert: IMD Predicts Heavy Downpour Until August 15

**New Delhi:** The weather has shifted dramatically across many parts of India due to persistent heavy rainfall over the past few days. The India Meteorological Department (IMD) has forecasted continuous rain in Delhi-NCR throughout the day today. The IMD has also issued an alert, warning of heavy rainfall that could potentially cause disruption in several states until August 15.

The downpour on Sunday brought a refreshing change to the weather in many areas of Delhi-NCR. However, the IMD has issued a yellow alert for the region today, anticipating more rain. The rainfall has also led to a noticeable drop in temperature across Delhi, although it caused traffic disruptions and waterlogging in several parts of the city. The IMD predicts cloudy skies and more rain in



Delhi today. Here's a look at the states where the IMD has predicted rainfall from August 11 to August 15. The IMD has issued a yellow alert for the national capital, with rain expected to continue until August 13.

### Heavy Rain Expected in Multiple States Until August 15:

Heavy rainfall is forecasted in various parts of Himachal Pradesh, Uttarakhand, Uttar Pradesh, Rajasthan, Sub-Himalayan West Bengal and Sikkim, Odisha,

Nagaland, Manipur, Mizoram, Tripura, Konkarn and Goa, Madhya Maharashtra, and Gujarat. In the hilly regions, Jammu and Kashmir could experience heavy rainfall on August 11, with Uttarakhand and Rajasthan expected to see heavy rain until August 15. Rain is also likely in Saurashtra and Kutch until August 10.

### Rain Havoc in Himachal and Uttarakhand:

In Himachal Pradesh, heavy rains have resulted in the closure of 128 roads due to landslides, land subsidence, and floods. The IMD has issued a yellow alert for heavy rainfall across different parts of the state. Flood risks are high in Mandi, Sirmour, Shimla, and Kullu districts. More than 100 people have lost their lives in rain-related incidents in Himachal from June 27 to August 9.

## Delhi Court Acquits Man Of Dowry Death Citing Insufficient Evidence

**New Delhi:** Delhi's Dwarka Court recently acquitted a man of charges related to dowry death, citing benefits of the doubt. There is a long distance between "may be true" and "must be true", the court said in the judgement.

Additional Sessions Judge (ASJ) Sharad Gupta acquitted the accused, Satender Gautam, of offences under Section 498A IPC (cruelty for dowry) and Section 304B IPC (dowry death). The court concluded that the prosecution failed to prove its case against accused Satender Gautam by leading convincing or cogent evidence. "Prosecution case may be true but criminal jurisprudence says that prosecution case must be true. There is a long distance between 'may be true' and 'must be true,' the court said. It is a cardinal principle of criminal jurisprudence that an accused is presumed to be innocent. The burden lies

on the prosecution to prove the guilt of the accused beyond reasonable doubt. The prosecution is under a legal obligation to prove each and every



ingredient of an offence beyond any doubt, unless otherwise so provided by any statute. This general burden never shifts, it always rests on the prosecution," ASJ Gupta said in the judgement passed on July 29. The court held that the prosecution has not been able to bring on

record any material to show that the accused had instigated the victim to die by suicide by any instigation or active act or omission. The prosecution's version is that there was a quarrel between the victim and the accused one day before the death of the victim.

The court said that fights between husband and wife are a normal part of domestic wear and tear and are a part of everyday life. It could not be said that the accused by quarrelling with the victim had intended to abet the suicide of Poonam Sharma. "This is especially more so as there is nothing on record except the testimony of the deceased's friend regarding the said fight and even she in her examination in chief stated that she thought it to be a normal quarrel between husband and wife. Hence even the offence under Section 306 is not made out in the facts of the present case," the court said.

Gautam was charged in the case after an FIR was filed against him at Najafgarh police station in 2011. The FIR was filed following a complaint by Kamlesh Devi, who alleged that her daughter had committed suicide due to harassment and dowry demands by Gautam. Advocate Pujya Kumar Singh argued that the allegations levelled against the accused are not true and he is falsely implicated in this case. The accused stated that after the death of his wife, he came to know that her parents and other family members used to harass her over phone calls for inter-caste marriage between her and the accused. The accused also stated that he had been falsely implicated since Poonam's family was unhappy with his marriage with her. Poonam Sharma had died by suicide on November 26, 2011. She had married Gautam in 2009 in Khurja, UP, in a love marriage. They were residing in Najafgarh at the time of her death.

## News box

## Celine Dion slams 'unauthorised use' of Titanic song in Trump rally

**UPDATED.** Celine Dion took a jab at Donald Trump on Saturday for using at an election rally the song she wrote and sang for the disaster movie "Titanic," about the ocean liner's sinking. The Republican presidential candidate has been lampooned on social media after playing the 1997 track "My Heart Will Go On" at a rally in the US state of Montana on Friday, as a video of Dion performing the song was shown on a big screen. Dion's management team and her record label, Sony Music Entertainment Canada, said in a statement on X the use of the song and video was "in no way" authorized. "Celine Dion does not endorse this or any similar use... And really, THAT song?" it added. Users on social media have made analogies between Trump's campaign and the sinking ship at the heart of the James Cameron film. Trump has appeared on the back foot since Kamala Harris replaced President Joe Biden in the US election race for the White House. The former president appeared on track to win back the White House before Biden dropped out of the race on July 21, but Harris has made big gains since replacing Biden at the top of the ticket and announcing Tim Walz, Minnesota's governor, as her running mate. "My Heart Will Go On" was released on Dion's album "Let's Talk About Love" and the soundtrack to Cameron's film "Titanic." It became one of the biggest songs of all time, selling 18 million copies and earning Dion an Oscar, a Golden Globe and several Grammys.

## Venezuela Supreme Court says its ruling on presidential polls will be 'final'

**Caracas.** The ruling that Venezuela's Supreme Court will deliver on the disputed presidential election will be "final," the body's president Carylisa Rodriguez said Saturday at a hearing on the July 28 vote. The court "is continuing the assessment begun on August 5, 2024, with a view to producing the final ruling... Its decisions are final and binding," said Rodriguez. Most observers say the high court is loyal to the government of Nicolas Maduro, which has claimed a narrow victory in the election. Opposition leaders insist that their candidate, Edmundo Gonzalez Urrutia, won overwhelmingly, and they have produced what they say are official tallies from voting sites as evidence. Maduro himself summoned the high court on August 1 to "validate" a victory that opponents insist was fraudulent. The court heard from all candidates, including Maduro, this week -- except for Gonzalez Urrutia, who has said he fears arrest. He has made no public appearances in more than a week, while key opposition leader Maria Corina Machado -- a past presidential candidate who was banned from running this time -- has said she is living in hiding. The National Electoral Council (CNE) ratified Maduro's victory on August 2, saying he had won 52 percent of the vote, but it refused to release exact tallies from election sites, saying the data had been hacked. The opposition, in contrast, published printed tallies -- their legitimacy denied by Maduro -- that they say show Gonzalez Urrutia receiving 67 percent of the vote.

## Donald Trump's campaign says its emails hacked, blames Iran

Washington, The campaign of Republican US presidential candidate Donald Trump said on Saturday (local time) that some of its internal communications were hacked and blamed the Iranian government, citing past hostilities between Trump and Iran without providing direct evidence. The campaign statement came shortly after news website Politico revealed it began receiving emails in July from an anonymous source offering authentic documents from inside Trump's operation, including a report about running mate JD Vance's "potential vulnerabilities". These documents were obtained illegally from foreign sources hostile to the US, intended to interfere with the 2024 election and sow chaos throughout our democratic process, "Trump campaign spokesperson Steven Cheung said in a statement. Reuters has not independently verified the identity of the alleged hackers or their motivation.

The Trump campaign referred to a Friday report from Microsoft researchers that said Iranian government-tied hackers tried breaking into the account of a "high-ranking official" on a US presidential campaign in June. The hackers had taken over an account belonging to a former political advisor and then used it to target the official, the report said. That report did not provide further details on the targets' identities. A Microsoft spokesperson declined to name the targeted officials or provide additional details after the report was published. Iran's foreign ministry and its United Nations representative did not immediately respond to requests for comment. On Friday, in response to Microsoft's findings, Iran's mission to the UN in New York told Reuters that its cyber capabilities were "defensive and proportionate to the threats it faces" and that it had no plans to launch cyberattacks. "The US presidential election is an internal matter in which Iran does not interfere."

## Mexican drug lord 'El Mayo' Zambada on US capture: Was ambushed, kidnapped

**Mexico City** Mexican drug cartel leader Ismael "El Mayo" Zambada said he was ambushed and kidnapped when he thought he was going to meet the governor of the northern state of Sinaloa, then was taken against his will to the US, according to a letter released on Saturday (local time) by his lawyer. In the two-page letter, Zambada said fellow drug lord Joaquin Guzman Lopez asked him to attend a meeting on July 25 with local politicians, including Sinaloa Governor Ruben Rocha Moya, from the ruling Morena party. But he was led into a room where he was knocked down, a hood was placed over his head, he was handcuffed, and then taken in a pickup truck to a landing strip where he was forced into a private plane that finally took him and Guzman Lopez, one of the sons of imprisoned Sinaloa drug cartel leader Joaquin "El Chapo" Guzman, to US soil, according to the letter. Zambada's comments were released a day after the US ambassador to Mexico confirmed that the drug lord had been taken to the US against his will, when he arrived in Texas in July on a plane along with Guzman Lopez. The letter raised questions about links between drug

traffickers and some politicians in Sinaloa, the Pacific coast state that is the home base of the Sinaloa cartel, but the governor denied any links to the criminals and said he was not in Sinaloa that day. After the arrests, he had said he was in Los Angeles. "There is no complicity with crime," Rocha said on Saturday at an event in Culiacan alongside Mexican President Andres Manuel Lopez Obrador and the country's president-elect, Claudia Sheinbaum. "We have all the confidence in the governor," Lopez Obrador said. Referring to his rivals, Rocha said, "They want to make me a narco by force." "If they said I was going to be there (at the meeting), they lied, and if he (Zambada) believed them, he fell into the trap," the governor said. Zambada's letter didn't say Rocha was at the meeting place.

It did say that at the site was Hector Melesio Cuen, a former local congressman, former mayor of Culiacan and former rector of Sinaloa University, whom he described as "a long-time friend." Mexican officials have said Cuen was murdered the same day, and Zambada's letter said he was slain at the meeting place. The trafficker said one of his



security guards, who is now missing, was a commander of the judicial police of Sinaloa. In early August, Zambada, 76, made his second appearance in US federal court in Texas after being taken into US custody the week before. Guzman Lopez apparently had been in negotiations with US authorities for

a long time about possibly turning himself in. Guzman Lopez, 38, has pleaded not guilty to drug trafficking and other charges in federal court in Chicago. But US officials said they had almost no warning when Guzman Lopez's plane landed at an airport near El Paso. Both men were arrested and remain jailed. They are charged in the US with various drug crimes. Ken Salazar, the US ambassador to Mexico, said the plane took off from Sinaloa and filed no flight plan. He stressed that the pilot wasn't American, nor was the plane. The implication is that Guzman Lopez intended to turn himself in, and brought Zambada with him to procure more favourable treatment, but his motives remain unclear. Zambada was considered the Sinaloa cartel's strategist and was thought to be more involved in its day-to-day operations than his better-known and flashier boss, "El Chapo", who was sentenced to life in prison in the US in 2019. Zambada's faction of the Sinaloa cartel has been engaged in fierce fighting with another faction led by the sons of Guzman.

## Ukraine military ops in Russia's Kursk region is 'to restore justice': Zelenskyy

**Kyiv.** President Volodymyr Zelenskyy acknowledged for the first time on Saturday that Ukrainian forces were fighting in Russia's Kursk region and said the operation was part of Kyiv's drive to restore justice after Russia's 2022 invasion. Russia said Ukrainian forces pushed into Kursk region last Tuesday and Russian military bloggers have acknowledged they made some headway, while saying the situation had since stabilised. In his nightly video address, the president said he had discussed the operation with top Ukrainian commander Oleksandr Syrskyi, while not forgetting the battles troops face on the difficult eastern front. "Today, I received several reports from commander-in-chief Syrskyi regarding the front lines and our actions to



push the war onto the aggressor's territory," he said. "I am grateful to every unit of the defence forces for ensuring that Ukraine is proving that it can indeed

restore justice and ensure the necessary pressure on the aggressor." Zelenskyy had previously alluded to the operation, praising the military's ability "to surprise" and thanking them for taking Russian soldiers prisoner to be used in future negotiations, specifically referring to the past week. In paying tribute to Ukrainian forces along the 1,000-kilometre front line, Zelenskyy made special mention of actions in northern Sumy region, across the border from Russia's Kursk region. Russia has stepped up its attacks of guided bombs and other aerial strikes in Sumy, prompting mass evacuations.

## US veteran pawns jewellery for sick wife's care, gets surprise from TikTok

**World** In a heartwarming display of kindness and generosity, a TikTok user has raised over \$320,000 (approx Rs 2.68 crore) for a 90-year-old air force veteran struggling to take care of his wife battling dementia. The veteran, Donald, was filmed at a pawn shop in New Hampshire's Manchester in the US, where he was trying to sell his cherished jewellery to cover his wife's escalating medical bills. The video, which went viral, showed Donald's desperation and the sacrifices he was making to ensure his wife received the care she needed. Moved by his story, TikTok user, Jenelle Marie, decided to help the air force veteran, The New York Post reported. She created a GoFundMe page to raise money for Donald and his wife, hoping to alleviate some of the financial burden they were facing. The campaign quickly gained momentum, with thousands of people donating to support the couple. The GoFundMe page hit a staggering \$320,000. Jenelle Marie met Donald at the pawn shop, where she learned about the couple's struggles. They had no children and no immediate family to rely on, making their situation even more dire. Donald's landlord had recently raised the rent, adding to their financial woes. Moved by their story, Jenelle Marie initially gave Donald an envelope containing \$1,200 (around Rs 1 lakh) she had raised. Donald was initially hesitant to accept the money but was overcome with gratitude when he finally did. On seeing the envelope full of cash, an emotional Donald said, "I could kiss you. Oh my goodness." Jenelle Marie responded, saying, "I know you're struggling. I know you're trying to take care of your wife. I appreciate your (military) service." The outpouring of support was not limited to financial donations as many people were inspired by Donald's love and dedication to his wife, and the kindness shown by Jenelle Marie. Donald retained the jewellery after receiving \$1,200 from Jenelle Marie and paid off a debt of \$80 (Rs 6,716) to his landlord, according to The New York Post.

## North Korea flies more trash-filled balloons towards South, says Seoul

**Seoul.** South Korea's military says North Korea is again flying balloons likely carrying trash toward the South, adding to a bizarre psychological warfare campaign amid growing tensions between the war-divided rivals. South Korea's Joint Chiefs of Staff said Saturday that the winds could carry the balloons to regions north of the South Korean capital, Seoul. Seoul City Hall and the Gyeonggi provincial government issued text alerts urging citizens to beware of objects dropping from the sky and report to the military or police if they spot any balloons. North Korea in recent weeks has flown more than 2,000 balloons carrying waste paper, cloth scraps and cigarette butts toward the South in what it has described as a

retaliation toward South Korean civilian activists flying anti-Pyongyang propaganda leaflets across the border. Pyongyang has long condemned such activities as it is extremely sensitive to any outside criticism of leader Kim Jong Un's authoritarian rule. North Korea last flew balloons toward the South on July 24, when trash carried by at least one of them fell on the South Korean presidential compound, raising worries about the vulnerability of key South Korean facilities. The balloon contained no dangerous material and no one was hurt, South Korea's presidential security service said. South Korea, in reaction to the North's balloon campaign, activated its front-line loudspeakers to blast broadcasts of propaganda messages and

K-pop songs. Experts say North Korea hates such broadcasts because it fears it could demoralize front-line troops and residents. The Korea's tit-for-tat Cold War-style campaigns are inflaming tensions, with the rivals threatening stronger steps and warning of grave consequences. Their relations have worsened in recent years as Kim continues to accelerate the North's nuclear weapons and missile program and issue verbal threats of nuclear conflict toward Washington and Seoul. In response, South Korea, the United States and Japan have been expanding their combined military exercises and sharpening their nuclear deterrence strategies built around U.S. strategic assets.

## UK's Keir Starmer cancels holiday to focus on response to riots: Report

**UK Prime Minister Keir Starmer scrapped a planned holiday to take stock of the situation that arose following a series of riots that targeted Muslims and migrants in major British cities.**

**London.** UK Prime Minister Keir Starmer has cancelled a planned holiday to focus on his government's response to a series of racist riots that targeted Muslims and migrants, a Downing Street source said. Thousands of police officers remained on duty over the weekend in case violence flared again although for a fourth day in a row on Saturday counter-protesters far outnumbered anti-migration demonstrators in several towns and cities. The source, who spoke on condition of anonymity, said Starmer would no longer be going on holiday next week. His government has moved quickly to speed up the processing of people arrested and charged in relation to the riots.

On Friday, officials said 741 arrests had been made since the unrest broke out and 302 people had been charged. Police have said arrests are likely to continue for months. On Saturday, the National Police Chiefs' Council, representing police leaders, said specialist officers had been ordered to pursue online offenders and influencers responsible for spreading hate and inciting violence on a large scale. "Online crimes have real world consequences and you will be dealt with in the same way as those physically present and inflicting the violence," Chris Haward, the NPCC's lead for



serious and organised crime, said. At least two people were jailed in recent days for stirring up racial hatred in messages on social media. The riots erupted after online posts falsely identified the suspected killer of three young girls in a knife attack on July 29 in Southport, northwest

England, as an Islamist migrant. King Charles on Friday made an appeal for mutual respect and understanding and welcomed the way that community groups had countered "the aggression and criminality from a few," a spokesperson for Buckingham Palace said.

## All 62 bodies of Brazil plane crash victims recovered

**← The bodies of all 62 people who died in a plane crash near Brazil's Sao Paulo have been recovered. Earlier, the toll was at 61 but the company, which operated the ill-fated flight, said it found an unaccounted-for passenger, taking the number to 62.**



**Vinhedo, Brazil** Brazilian emergency crews on Saturday (local time) recovered the remains of the 62 victims aboard an airliner that plunged to the ground in the town of Vinhedo, near Sao Paulo the day before, killing all on board. The bodies of most of the victims - 34 males and 28 females - had already been moved to

Sao Paulo's police morgue for identification. The bodies of the pilot and co-pilot were identified earlier in the day, said Dario Pacheco, mayor of Vinhedo. Four people with dual citizenship were among the victims, three Venezuelans and one Portuguese woman, said regional carrier

Voepass, which operated the aircraft. The Venezuelans were a four-year-old boy, his mother and grandmother, local outlet Globo News reported. The boy's dog was also on the flight, which the family was taking to later head to Colombia, according to the outlet. On Friday, Voepass said the plane was carrying 57 passengers and four crew, but on Saturday the firm confirmed another unaccounted-for passenger had been on the flight, putting the number of casualties at 62.

Authorities are using seat assignments, physical characteristics, documents and belongings such as cell phones to identify the victims, firefighter Maycon Cristo said at the crash site earlier on Saturday as the bodies were being pulled from the wreckage. Relatives of the victims were brought to Sao Paulo to provide DNA

samples to aid in identification of the remains, said state civil defense coordinator Henguel Pereira. The plane's so-called "black box" containing voice recordings and flight data was undergoing analysis, said Marcelo Moreno, the head of Brazilian aviation accident investigation centre Cenipa, at a press conference in Vinhedo. The plane, an ATR-72 turboprop, was bound for Sao Paulo from Cascavel, in the state of Parana, and crashed around 1:30 pm (local time) in Vinhedo, some 80 km northwest of Sao Paulo. Despite coming down in a residential area, no one on the ground was hurt. The aircraft was flying normally until 1:21 pm, when it stopped responding to calls, and radar contact was lost at 1:22 pm, Brazil's Air Force said in a statement. Pilots did not report an emergency or adverse weather conditions, the air force added.

## NEWS BOX

Inspired by India athletes,  
Jemimah Rodrigues raring to take  
part in LA Olympics

New Delhi. India women's cricketer Jemimah Rodrigues said that she would love to wear the national jersey in the Los Angeles Olympics 2028. Last year, in October, it was announced that cricket (men's and women's T20s) would be one of the new sports in the quadrennial event, along with squash, lacrosse, baseball/softball and flag football. Cricket was last a part of the Olympics in Sydney 2000, when Great Britain and France were the only two participants. Jemimah, who has played three Tests, 30 ODIs and 100 T20Is for India, praised the Indian athletes for putting whole-hearted efforts in Paris. "Loved wearing this current Indian Olympic jersey. Can't wait to play Cricket for India at the Olympics soon!! Man, what a feeling that'd be. Also, our Indian athletes have shown tremendous passion, commitment, persistence and grit! Win or lose, we're proud of you," Jemimah wrote. India currently have six medals to their name in the Paris Olympics 2024. Manu Bhaker started India's medal hunt by winning bronze in the individual and mixed team event. Thereafter, Swapnil Kusale brought India their first medal in the Men's 50 m rifle three positions.



Paris Olympics 2024: India Schedule | Full Coverage | Medal Tally  
Indian hockey team, led by Harmanpreet Singh, bagged bronze after beating Spain 2-1 in the third-place playoff match. On Thursday, Neeraj Chopra won the silver medal in men's javelin with a best throw of 89.45 metres. Although he could not defend his Olympic crown, Neeraj garnered praise from every nook and corner of the country. Aman Sehrawat won bronze in the men's 57kg freestyle category in wrestling. Meanwhile, India are waiting on a verdict on Vinesh Phogat. She confirmed at least a silver medal, but was disqualified before her gold-medal bout against Sarah Hildebrandt. Vinesh was found 100 grams more than the permissible limit after which she was disqualified.

Olympics 2024: USA  
beat France to win fifth  
consecutive gold medal in  
basketball

New Delhi There was no "Miracle on the Seine" at the Paris Olympics on Saturday as the United States men's basketball team did as expected by grinding out a 98-87 win over France to claim a fifth consecutive gold medal.

With the French sporting spotlight locked on the Bercy Arena, the American showmen crushed Gallic hearts led by Stephen Curry and a fired up LeBron James, the "King" wearing shiny golden sneakers to mark the occasion. "I'm just living in the moment," said 39-year-old James, the NBA's all-time leading scorer. "I'm super humbled that I can still play this game. Play it at a high level. Play with 11 other great players with a great coaching staff and then go out and do it for our country. It was a great moment."

'Each player has his emotions'

The result was the same as three years ago in the Tokyo Olympic gold medal game but for the French this loss cut a little deeper coming on home hardwood in front of a captivated nation. "It's their incredible talent that ended up marking the difference," said France coach Vincent Collet. "It's a final against the Americans, in Paris, you can say it as much as you want, each player has his emotions, we tried to use them but it wasn't possible here." France will get another shot at hoops glory on Sunday but the women's team will be even bigger underdogs against the mighty Americans who have not lost in the Olympics since 1992 and are chasing an eighth straight gold. Just downstream from Notre Dame cathedral on the banks of the Seine the French faithful, including President Emmanuel Macron, gathered at the Bercy like pilgrims to Lourdes believing anything is possible and so it seemed until the final moments of an enthralling final. As you would expect from a gold medal game there was jaw-dropping skill, raw emotion, tension and a touch of nastiness to provide spice. James got the show started with a thundering dunk to kick-start a fast-paced affair that the Americans controlled behind a workmanlike effort building a 14-point third-quarter lead. But the U.S. would need nearly all of that advantage as Les Bleus, turbo-charged by a rafter-rattling home crowd, clawed their way back chopping the deficit to 82-79 with three minutes to play.

Then with the crowd on their feet and France poised to do the unthinkable, Curry - as he did in a nail-biting semi-final win over Serbia - came to the rescue for the U.S.

Olympics: Shelby McEwen reveals why high  
jump gold wasn't shared like Tokyo 2020

New Zealand's Hamish Kerr was not interested in sharing gold medal with USA's Shelby McEwen in the high-jump final at Paris Olympics

New Delhi. August 11, 2024 marks the 4-year anniversary to the time when an Olympic gold medal was shared. Just a day before that, a similar situation arose, but this time no one wanted to share the gold medal. Three years ago, Mutaz Barshim and Gianmarco Tamberi decided to go 50-50 for first place in the men's high jump at the Tokyo Games rather than jump-off for it. This time, USA's Shelby McEwen and New Zealand's Hamish Kerr were in a similar position but decided to work it out the old-fashioned way with a jump-off. McEwen almost had the gold medal in his kitty. A draw sounded pretty good to him. Kerr, nicknamed "the Flying Kiwi," had a different view: He had decided long before Saturday night that if he faced double gold,



he would decline and jump-off. It was learnt that it was Kerr who was not interested in sharing the gold medal with McEwen. "We walked and talked to each other," McEwen said. "He was like, 'Let's jump off.' I was like, 'I'm all for it.'"

"He said it first, and I agreed to it," McEwen said. "At some point, I kind of got fatigued. I maybe would have shared it with him, for sure. But I agreed to it, and it was all good." McEwen rejoices his silver. Whatsoever, McEwen had no regrets, even as

a silver medal hung around his neck. Kerr beat McEwen in a competition, which saw Barshim and Tamberi becoming the first jumpers to share gold three years ago. "At the end of the day, he wanted to jump off," McEwen said. "At that point, I wasn't going to go back and forth with it and argue with him. He wanted to jump off, and I was all in for it." "I came up short of the gold," McEwen said. "But I'm still thankful for what I got." They both missed at 2.38 in the first round of the jump-off, another two misses at 2.36 and McEwen missed at 2.34 before Kerr finally ended the contest.

Kerr didn't want to share a gold medal. Kerr felt that he also would have been proud of himself even if he had come second in the jump-off and his aim was to create history.

"That was such a special moment to share as a high jump fraternity," Kerr said. "It's cool to etch our history in a different way."

For me, I would have been so proud to come in second in jump off - probably prouder than sharing a gold medal knowing that had already happened. That was the big thing for me: Trying to add to that history in a different way."

Lakshya Sen back to base after Paris  
heartbreak: The fire burns brightly within me

Paris Olympics: Lakshya Sen fell agonisingly short of winning a medal, and he intends to return to training with full intensity at the Prakash Padukone Badminton Academy.



New Delhi. Indian badminton sensation Lakshya Sen has returned to his home base at the Prakash Padukone Badminton Academy in Bangalore, ready to resume his training after a memorable journey at the Paris 2024 Olympics. Lakshya, who made history by reaching the semi-finals in the men's singles event, expressed his gratitude to his mentors, coaches, and sponsors who have supported him throughout his career. In a heartfelt message, Lakshya acknowledged the crucial role the academy has played in his growth as

a person and an athlete. He thanked his mentors, Prakash Padukone and Vimal Kumar, his father, and the entire staff at the academy, including the physios and coaches. He also extended his gratitude to the Sports Authority of India (SAI) and others for their support in fuelling his Olympic dream. "I'm back in Bangalore and all set to resume my training at my home base at the @ppbaindia after a memorable Olympic journey. They say it takes a village to raise a child, and I have literally grown up as a person and an athlete at the academy," Lakshya wrote in a post. "I would like to thank my mentors Prakash sir and Vimal sir, my father, all the

other coaches, the physios and other staff members at @ppbaindia and CSE, and am grateful to SAI, Infosys Foundation, @redbullindia, YONEX and @OGQ\_India for supporting PPBA and me, and for playing an important part in fuelling my Olympic dream," Lakshya said. "Family my biggest strength" Lakshya emphasized the significant contribution his family has made to his success, stating that they remain his biggest strength. Despite the disappointment of not winning a medal at the Olympics, Lakshya remains determined and motivated, with the fire burning brightly within him to continue learning and contributing to the sport of badminton. "There are no words to express the role my family has played and they remain my biggest strength. I have so much more to learn at PPBA and, hopefully, lots more to offer this beautiful sport of badminton. The fire burns brightly within me," Lakshya added. Lakshya lost the semi-final against Viktor Axelsen in straight games despite getting his Danish opponent on the mat.

WI vs SA: South Africa dominate but rain  
pushes opening Test towards draw

New Delhi South Africa have dominated for most part of the opening Test against West Indies in Port of Spain, but with only one day left, a draw is on the cards, although there is also a chance for the Proteas to pull off a heist at the Queen's Park Oval. At

Stumps on Day 4, the visitors led by 154 runs with all their 10 wickets in hand. After taking a lead of 125 runs in the first innings, South Africa showed intent in their second, scoring 30 runs off five overs. Earlier, they bowled the Caribbean team out for 233 after

rain washed away the first two sessions of Day four. Keshav Maharaj was the pick of their bowlers after he finished with figures of 40-15-76-4. Kagiso Rabada also chipped in with three wickets. West Indies batters got into 20s, 30s and 40s, but none of them could get a big score. Had Jomel Warrican not scored a quick-fire 35 off 32 balls lower down the order, the hosts would have conceded a much bigger lead. Warrican came to bat with the score at 192 for eight, and he built a couple of handy partnerships with Kemar Roach and Jayden Seales. While Warrican played his shots, Roach and Seales held one end up. In the end, Lungi Ngidi cleaned up Seales to pull the curtains down on the West Indies innings.

With chances of rain even on the last day, South Africa would be looking to add some more runs to their lead before having a crack at the opposition batters. Tony de Zorzi and Aiden Markram were their overnight batters. For West Indies, they will be looking to eke out a draw and avoid conceding a 1-0 lead to the opposition.



and long-off region. This was followed by a straight hit back over Rashid's head and a powerful shot over deep mid-wicket and another six towards long-off to top it all off. This assault reduced the run-requirement to just 19 from 15 balls.

**Pollard guides his team towards win**

Despite being in the losing position, Pollard's quick-fire 45 off 23 shifted the momentum in Southern Brave's favour. Pollard hit two fours in the next set before he was run out by Calvin Harrison. With Chris Jordan into bat, he hit a four off the penultimate ball of the innings to secure the win. Pollard wasn't too impressed by the situation his team had brought themselves into before his rescue act.

"Hopefully some lessons learnt and we won't put ourselves in such a situation next time around," he said after the game. Reflecting on his performance against Rashid Khan, Pollard acknowledged their shared history and familiarity with each other's play. "I've played a lot against him, and he's gotten me out many times. But I knew the lines and lengths he was likely to bowl," Pollard said. "I just backed myself - if he bowled short, I was going across; if he went full, I was going to hit straight."

USA basketball gets trolled for 'World  
Champions' tweet after Olympic medal win

USA basketball called themselves 'world champions' after the Olympics medal win  
Fans trolled them saying Germany were the world champions  
USA basketball's dig was aimed at Noah Lyles

New Delhi The USA basketball team has got trolled for their "World Champions" tweet after winning the gold medal at the Paris Olympics 2024 on August 10, Saturday. USA

defeated hosts France 98-87 in the final to make it 5 gold medals on the trot as Steph Curry starred with 8 3-pointers during the match. However, the tweet after the win has found the USA being trolled online. After the win on Saturday, the USA basketball's official X account posted a tweet asking "are we the World Champs now?" This was a direct shot at Noah Lyles, who had questioned why the NBA champions call themselves as 'world champions.' The tweet from USA basketball received both type of reactions, with some trolling them for making the tweet. Many of the fans were of the opinion that the true world champions are the Germany basketball team, who won the FIBA World Cup in 2023. You can see the reactions of the fans below:



Lyles had questioned why the NBA winners are called as the world champions. "You know the thing that hurts me the most is

that I have to watch the NBA Finals and they have 'world champion' on their head. World champion of what? The United States? Don't get me wrong, I love the US - at times - but that ain't the world," Lyles said.

"We are the world. We have almost every country out here fighting, thriving, putting on their flag to show they are represented. There ain't no flags in the NBA," said Lyles.

The comment didn't sit well with the basketball stars Kevin Durant, Draymond Green and Devin Booker hitting out at Lyles on social media.

# Hansika Motwani

## Early Fame, Controversies And Success In South Films

**H**ansika Motwani, a name we are all familiar with. She entered the movie industry as a child actor. She was seen in famous series like Shaka Laka Boom Boom in 2000 and also appeared in Ekta Kapoor's popular serial, Kyunki Saas Bhi Kabhi Bahu Thi. In 2003, Hansika Motwani also appeared in Hrithik Roshan and Preity Zinta-starrer blockbuster, Koi Mil Gaya. After the release of this movie, she took a break and went abroad with her family. After 4 years, Hansika made her comeback to the silver screen, with her Telegu movie Desamuduru in 2007 along with Allu Arjun. The film was a hit, and Hansika won the Filmfare Award for Best Female Debut – South. During this time, Hansika was accused of using hormonal injections for her sudden change in appearance. Her mother was also accused of giving her those injections. Hansika has consistently denied these rumours and stated that her physical development was natural and that the accusations were baseless. She said that she cannot take an injection or get a tattoo done because she is scared of needles to date.

When it comes to controversy, Hansika Motwani has been a victim of it many times. She again made headlines when she was seen romancing Himesh Reshammiya, who was 18 years older than her, in the film Aap Kaa Surroor. The actress was not even an adult when she romanced this successful Bollywood music director. She was again on the controversy radar when she tied the knot with her now husband, Sohail Kathuria on December 4, 2022, in Mundota Fort, Jaipur. Her husband Sohail Kathuria was previously married to a woman named Rinky and she was a good friend of Hansika as well. Even the actor attended Sohail and Rinky's wedding in 2014. She was accused of "stealing" her friend's husband and received a lot of backlash for her decision.

Apart from this, she was also involved in the MMS leak controversy. In 2015, a MMS video of a girl went viral on the internet. The video was claimed to be Hansika's. Later, Hansika herself clarified that it was not her but some other girl who resembled her. Although Hansika started on the small screen, today she is a big name in the South film industry. She has done more than 60 films in Tamil, Telugu, Kannada and Malayalam languages. Apart from being a successful and critically acclaimed actress, she has been in the limelight for her controversy.



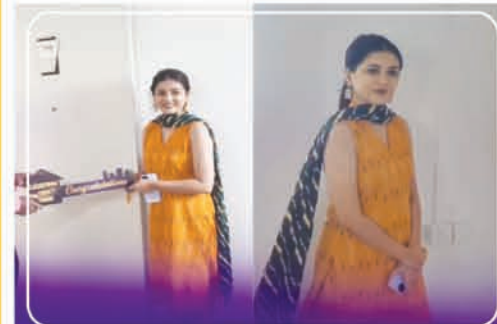
### Kritika Malik Will NOT Participate In Bigg Boss 18, Payal Malik Reveals 'Hamare Poori Family...'



**A**fter Armaan Malik's second wife, Kritika Malik emerged as the 4th runner-up of Bigg Boss OTT 3, several reports claimed that she is also likely to be a part of Bigg Boss 18. However, Payal Malik has finally clarified that no member of the Malik family is going to participate in the controversial reality show ever again. In one of her recent vlogs, Payal mentioned that their married life become a talking point in Bigg Boss OTT 3 and therefore they will not participate in any future season of the show. However, she also clarified that they are open to do other reality shows. Kuch log aise hai jo abhi bhi hume pyaar karte hai aur hume dekhnna chahte hai Bigg Boss 18 mein. Par hamare poori family mein se koi bhi, kisi bhi Bigg Boss mein nahi jaana chahta. Wahan pe na jo insaan accha kar raha hota hai usko koi dekhna pasand nahi karta. Aap insaan ko as individual ko nahi dekhte, uske game ko nahi dekhte. Sirf yeh dekhte ho hamare family mein 3 log hai, Armaan ne do shaadi ki hai (Some people still love us and want to watch us in Bigg Boss 18. But we would not like to participate in the show. People don't prefer to watch the goodness of a person in that show. They don't see him as an individual or pay attention to his game. Rather, they are only interested in the fact that Armaan married twice)," Payal said.

"Aab humne yahi socha hai koi bhi Bigg Boss mein nahi jaaenge. Aur koi reality show ka aage toh zaroor jaaenge (We have now decided not to participate in Bigg Boss. We might consider doing other reality shows)," she added. Armaan Malik entered the Bigg Boss OTT 3 house in June this year with both his wives, Payal and Kritika. While Payal was the first one to get eliminated, Armaan walked out of the show during the finale week. Kritika was one of the finalists on Bigg Boss OTT 3. However, the three faced hatred for their participation in the controversial reality show and were accused of promoting polygamy. They were brutally trolled on social media and were even grilled by the media during the press conference.

### Marathi Actress Dnyanada Ramtirthankar Buys Dream Home, Gives Fans A Virtual Tour



**D**nyanada Ramtirthankar is a popular face in the Marathi television industry. The actress, known for her role as Appu in the Marathi series Thipkyanchi Rangoli, is currently making headlines for a significant personal milestone. Dnyanada has recently bought her dream home in Thane, and the first glimpses of her new abode are already making waves on social media.

The video shared by Dnyanada shows the actress giving a tour of her new house. She first showcases her kitchen, which features a large window with a beautiful view. She then gives her fans a glimpse into the other rooms. The actress looked lovely in a yellow salwar suit set paired with a dark green dupatta. Her fans and followers flooded the comment section with love and praise for her achievement. One user wrote, "Congratulations Appu di, I'm very happy," while another user mentioned, "What a fabulous sweet Home...so proud of you Dnyanada." A video captures her posing with a "Congratulations" sign, after which her father conducted the opening ceremony of the house.

After impressing audiences with her performance as Appu, Dnyanada's career has seen a rise, and this latest achievement is a testament to her success. Dnyanada started her television career with the Marathi show Sakhya Re in 2017. She played the role of Vaidehi in the show. Following this success, she appeared in several other television shows, including Zindagi Not Out, Shatada Prem Karave, and Year Down. Later, she made her debut in 2020 with the film Dhurala. She has also made notable appearances in Hindi serials like Year Down and Shaadi Mubarak. Dnyanada was last seen in the Hindi web series Commander Karan Saxena. Her performance in this series has been met with positive reviews, further solidifying her versatility as an actress. The show also features Gurmeet Choudhary in the lead role. In her upcoming project, Dnyanada will appear in a new Marathi film titled Mumbai Local, where she will share screen space with actors Prathamesh Parab and Prithvik Pratap.

# Rashmi Gautam

## Raises Her Fashion Game In Her Magenta Colour Ruffled Maxi Dress

**R**ashmi Gautam is one of the most popular actresses in the Telugu film industry. She came into the limelight after showcasing her anchoring skill with the popular Telugu show, Jabardasth. In the last 20 years of her illustrious career, she cemented a special position as an established actress. Apart from acting and anchoring, the diva has also won the hearts of her fans with her beauty. Recently, she posted a couple of photos from her latest photoshoot session, which has set the internet on fire.

In the latest pictures, Rashmi is seen slaying in a magenta-coloured ruffled maxi dress. She chose subtle makeup, including brown eyeshadow, perfectly lined eyeliner, perfectly contoured cheeks, and nude lip shade. She left her hair open in soft curls and completed her look with a pair of nude heels. Rashmi looked pretty as always. Take a look at the post:

The photographs went viral in no time. While her fans showered compliments in the comment section. One of the users commented, "You look like Angle." Another one added, "You look so good." While many dropped red heart emoticons in the comment area. A few days back, the actress shared another couple of photos from her photoshoot diaries. In the picture, she is seen wearing an orange and blue collared wrap dress. She chose soft makeup, left her hair open, and rounded her look with matching orange heels.

On the professional front, Rashmi was last seen in the Telugu version of the film Hostel Hudugaru Bekagiddare. The film was titled Boys Hostel, where Rashmi Gautam and Tharun Bhascker replaced Ramya and Diganth, respectively. The Kannada-language black comedy film is directed by Nithin Krishnamurthy in his directorial debut and presented by Rakshit Shetty under the Paramvah Pictures banner. The film stars debutants Prajwal BP, Manjunath Nayaka, Rakesh Rajkumar, Srivatsa, and Tejas Jayanna Urs, while Rishabh Shetty, Pawan Kumar, Shine Shetty, and Ramya make cameo appearances.

